राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,18 फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–26 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में बेखौफ हुए बदमाश, यमुना विहार में पार्किंग विवाद में बाप-बेटे को गोली मारी, हालत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार में कार पार्किंग को लेकर हुए कथित विवाद में पड़ोसी द्वारा कारोबारी पिता-पुत्र को गोली मारने का मामला सामने आया है। इस हमले में बुरी तरह घायल पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित के बेटे सौरभ अग्रवाल ने बताया आरोपियों ने उनके घर जाकर करीब 10 से 15 राउंड फायर किए जिसमें उनके पिता और भाई को गोली लगी है। सौरभ के मुताबिक, आरोपी दूसरे धर्म से ताल्लुख रखते हैं। सौरभ ने बताया कि उनके पिता वीरेंद्र कुमार (55) और भाई सचिन अग्रवाल (27) गुरुवार रात एक पार्टी से वापस लौटे थे, घर के पास गली में एक कार बीचों बीच खड़ी थी, जिसकी वजह से उनकी गाड़ी अंदर नहीं आ पाई। उन्होंने कार मालिक से वाहन हटाने को कहा तो उसने गाड़ी हटाने के बजाय उन्हें गाली देना शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। उनकी आवाज सुनकर गली के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए। सौरभ का आरोप है कि उस वक्त गाड़ी मालिक ने माफी मांग ली और मौके से चला गया, लेकिन कुछ देर बाद वह अपने करीब 10 से 15 साथियों के साथ वापस आया और उनके घर में ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान उनके पिता वीरेंद्र कुमार और भाई सचिन को गोली लगी। सौरभ का कहना है कि हमलावर जब मौके से भाग रहे थे उस वक्त गली के लोगों ने एक हमलावर को पकड़ लिया, जिसके पास से पिस्तौल भी बरामद हुई है। पीड़ित वीरेंद्र कुमार व्यापारी हैं और उनका बिल्डिंग मैटीरियल का कारोबार है। वहीं, सचिन ग्रैजुएशन का छात्र है। वीरेंद्र कुमार को हाथ और छाती के पास गोली लगी है और सचिन को हाथ में गोली लगी है। फिलहाल दोनों का पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ मामला सेंसिटिव होने की वजह से पीड़ित के घर के बाहर दिल्ली पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है।

बंद दरवाजे में क्या हुई भागवत और शिवराज की बात, एमपी में बदलाव को लेकर फिर अटकलें तेज

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से आठ महीने पहले क्या कोई बड़ा बदलाव होने जा रहा है? क्या यहां भी गुजरात का फॉर्मूला अपनाया जाएगा? मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात के बाद अचानक रविवार को कैबिनेट बैठक बुलाई है। इसको लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। रविवार और शिवरात्रि के दिन बुलाई गई कैबिनेट बैठक सामान्य नहीं है और मंत्रियों की धड़कनें बढ़ चुकी हैं। बैठक क्यों बुलाई गई है और क्या होने वाला है, इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। शिवराज की बुधवार को नागपुर में भागवत से 45 मिनट तक बंद दरवाजे में बातचीत हुई है। बैठक में दोनों के बीच क्या बातचीत हुई, इसको लेकर कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, प्रदेश के भाजपा नेताओं का मानना है कि चुनाव से 8 महीने पहले आरएसएस प्रमुख के साथ बंद दरवाजा हुई मुलाकात सामान्य नहीं हो सकती है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, कुछ भी हो सकता है। 19 फरवरी कैबिनेट बैठक से

पहले अगले दो दिन में कुछ और चीजें सामने आ सकती हैं।%मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट के सभी सदस्य भोपाल में मौजूद रहेंगे और बैठक में शामिल होंगे। सवाल उठ रहा है कि क्या चुनाव से ठीक पहले कैबिनेट में बदलाव या विस्तार होने जा रहा है? पार्टी सूत्रों का कहना है कि छुट्टी के दिन इस तरह कैबिनेट बैठक बुलाना सामान्य नहीं है। सरकार के फैसलों के लिए आमतौर पर मंगलवार को या अन्य किसी कार्यदिवस पर बैठक बुलाई जाती है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि भागवत और शिवराज की मुलाकात उमा भारती की ओर से चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान की वजह से हुई होगी। हालांकि, पार्टी के अधिकतर नेता इससे सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि आरएसएस प्रमुख आबकारी नीति को लेकर किसी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं करेंगे।

अधिकतर मंत्रियों और नेताओं को आशंका है कि राज्य में 'गुजरात मॉडल' को लागू किया जा सकता है। गुजरात में चुनाव से एक साल पहले भाजपा ने सरकार की तस्वीर बदल दी थी। विजय रुपाणी को

● रविवार और शिवरात्रि के दिन बुलाई गई कैबिनेट बैठक सामान्य नहीं है और मंत्रियों की धड़कनें बढ़ चुकी हैं। बैठक क्यों बुलाई गई है और क्या होने वाला है, इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

हटाकर भूपेंद्र पटेल को सीएम बना दिया गया था। कैबिनेट भी बदल दी गई थी। यह प्रयोग भाजपा के लिए सफल रहा और पार्टी ने रिकॉर्ड सीटों के साथ जीत हासिल की है। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में भी पार्टी इस फॉर्मूले को अपना सकती है। बीच में दो साल का वक्त छोड़ दें तो राज्य में लंबे समय से भाजपा का शासन है और शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में पार्टी को सत्ता विरोधी माहौल की भी आशंका सता रही है।

माता वैष्णों देवी के कटरा में लगे भूकंप के झटके

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर कटरा में एक बार फिर भूकंप के झटके लगे हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, आज सुबह 5:01 बजे रिक्टर पैमाने पर 3.6 की तीव्रता वाला भूकंप जम्मू-कश्मीर के कटरा से 97 किमी पूर्व में आया. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट किया- तीव्रता का भूकंपः 3.6, 17-02-2023 को हुआ, 05:01:49 IST, अक्षांशः 33.10 और लंबाः 75.97, गहराईः 10 किमी, स्थानः कटरा, जम्मू और कश्मीर के 97 किमी ई। गौरतलब है कि बीते दिन मेघालय में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप सुबह 9 बजकर 26 मिनट पर आया था और इसकी तीव्रता 3.9 दर्ज की गई थी। तीव्रता कम होने से इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

खाटूश्याम का लक्खी मेला 22 फरवरी से होगा शुरु

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में 22 फरवरी से शुरु होने वाले प्रसिद्ध बाबा खाटूश्याम लक्खी मेले में सुरक्षा व्यवस्था सहित मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में दर्शन की नई सुचारु व्यवस्था की गई है। इस संबंध में गुरुवार को पुलिस के जयपुर रेंज आईजी उमेश चंद्र दत्ता ने कानून व्यवस्था, लखदातार ग्राउंड सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण ?कर व्यवस्थाओं में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। पुलिस अधीक्षक करण शर्मा ने बताया कि मेला 22 फरवरी से शुरू होगा, जिसकी तैयारियों को लेकर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस बार मेला क्षेत्र को आठ सेक्टर में बांटकर व्यवस्था संभाली जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में करीब 4000 पुलिसकर्मी तैनात करने के साथ ही करीब एक हजार स्वयंसेवक एवं एक हजार से ज्यादा प्राइवेट गार्ड सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। पार्किंग से लेकर श्रद्धालुओं के आने- जाने के रास्ते सहित सभी जगहों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस बार ड्रोन कैमरों से पूरे मेले की निगरानी की जाएगी ताकि व्यवस्थाएं सुचारू हो सके।

कोल समाज का महासम्मेलन 24 को सतना में, केन्द्रीय गृह मंत्री शाह होंगे शामिल

भोपाल। शबरी जयंती पर होने सतना जिले में कोल समाज का महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग से सतना जिले में होने वाले कोल समाज के सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आगामी 24 फरवरी को सतना में होने वाले कोल समाज के सम्मेलन की बेहतर तैयारी करें। आगामी 23-24 फरवरी को होने वाली विकास यात्रा स्थगित कर कोल समाज के कार्यक्रम की तैयारी में जुट जाएँ। माता शबरी की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि माता शबरी के जीवन प्रसंगों पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रम में एक लाख 6 हजार लोगों के पहुँचने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कलेक्टर अनुराग वर्मा से कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कोल समाज के लोगों को

अधिकाधिक संख्या में बुलाया जाए। सम्मेलन का प्रचार-प्रसार बेहतर हो। उन्होंने कहा कि वे 20 तारीख को सतना में समाज के प्रतिनिधियों के साथ भोपाल से वर्चुअली बैठक करेंगे। समाज के प्रमुख लोगों को अवश्य बुलाया जाए। उन्होंने रीवा संभाग और आसपास के जिलों के प्रमुख अधिकारियों से भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने चीता प्रोजेक्ट की तैयारियों की जानकारी ली मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार शाम को अपने निवास में हुई बैठक में चीता प्रोजेक्ट की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कूनो पालपुर अभयारण्य में 18 फरवरी को चीता छोड़ने का कार्यक्रम व्यवस्थित और बेहतर हो। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री कहा कि वह चीता मित्रों से बातचीत भी करेंगे। उन्होंने कहा कि चीतों के संबंध में जारी नियमों का पालन करें। कार्यक्रम में अधिक भीड़ न हो, सीमित संख्या में लोग रहें। उन्होंने चीतों के स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने अधो-संरचना विकास के आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि लाँग टर्म प्लानिंग कर प्रस्तुत की जाये। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन जेएन कंसोटिया सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में किसानों को फसल पॉलिसी बीमा वितरण 18 फरवरी से

कोटा। राजस्थान के प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की श्रंखला में कोटा जिले में किसानों को 18 फरवरी से 10 मार्च तक पॉलिसियों का वितरण किया जायेगा।

सयुक्त निदेशक कृषि खेमराज शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के जारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अन्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव अभियान-भारत/75 आत्म निर्भर भारत महोत्सव की श्रंखला में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में रबी 2022-23 की पॉलिसी वितरण कार्यक्रम ''मेरी पॉलिसी मेरे हाथ'' जिले में 18 फरवरी से 10 मार्च 2023 तक किया जायेगा।

श्री शर्मा ने जिले के पॉलिसी धारक किसान से आव्हान किया है कि अपने क्षेत्र के कृषि पर्यवेक्षक,

सहायक कृषि अधिकारी या नजदीकी कृषि विभाग के कार्यालय से सम्पर्क कर ग्राम पंचायत पर होने वाली पॉलिसी वितरण कार्यक्रम में पॉलिसी प्राप्त करें। पॉलिसी वितरण के लिए नियत की गई तारीख को किसान ग्राम पंचायत में जाकर अपना पहचान पत्र दिखाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत रबी 2022-23 की पॉलिसी वितरण कार्यक्रम ''मेरी पॉलिसी मेरे हाथ'' के तहत अपनी फसल बीमा पॉलिसी प्राप्त कर सकते है।

ई-फार्मेसी पर लगाम कसने की तैयारी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ले सकता है बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ई-फार्मेसी द्वारा दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने वाली है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ई-फार्मेसी वर्तमान में उस बिजनेस मॉडल का पालन कर रहे हैं जो उन रोगियों के लिए समस्याग्रस्त हो सकता है जो ऑनलाइन दवा का ऑर्डर दे रहे हैं, उनकी डेटा गोपनीयता खतरे में है और दवाओं के दुरुपयोग की संभावना है।

कड़ी कार्रवाई का नोटिस

भारत के औषधि महानियंत्रक ने हाल ही में इंटरनेट पर दवाइयां बेचने वाली अवैध ई-फार्मेसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीसीजीआई द्वारा 8 फरवरी को ऑनलाइन फार्मेसी और ऑनलाइन

प्लेटफ़ॉर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था जिसमें उन्हें दो दिनों के भीतर जवाब देने या देश में दवाओं की बिक्री और वितरण पर बिना किसी नोटिस के कड़ी कार्रवाई का सामना करने के लिए कहा गया था।

20 से अधिक ऑनलाइन फार्मेसी को नोटिस जारी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ई-फार्मेसी ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन कर रही हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने 20 से अधिक ऑनलाइन फार्मेसी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसमें कुछ बड़ी कंपनियां जैसे Tatavmg, Practo, Apollo Amazon, Flipkart, आदि शामिल हैं।

केंद्र सरकार से कई बार की गई शिकायत

ऑल इंडियन ओरिजिन केमिस्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (एआईओसीडी) केंद्र सरकार को लगातार चेतावनी दे रहे थे कि ड्रग अधिनियम, फार्मेसी अधिनियम और अन्य दवाओं से संबंधित नियम, आचार संहिता, इंटरनेट पर दवाओं की बिक्री और दवा के प्रचार की अनुमति नहीं देते हैं।

नारकोटिक ड्रग्स तक पहुंच हुई आसान

एआईओसीडी ने आगे कहा कि ऑनलाइन ऐप से नारकोटिक ड्रग्स, गर्भावस्था अवसान किट, एंटीबायोटिक्स और शामक दवाओं तक पहुंच आसान हो गई है और इसकी अंतरराज्यीय आपूर्ति सीधे रोगियों को होती है। सरकार से कहा गया कि राज्य एफडीए द्वारा इसका पता लगाना और ट्रैक करना बहुत मुश्किल हो गया है।

रुद्राक्ष महोत्सव में उमड़ी भीड़, धक्का-मुक्की से कइयों की हालत बिगड़ी

सीहोर। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के आश्रम कुबेरेश्वर धाम में सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव गुरुवार से शुरू हुआ लेकिन पहले ही दिन अनुमान से कहीं अधिक लोगों के पहुंचने से हालात बिगड़ गए। पांच लाख लोगों के आने की बात कहते हुए व्यवस्थाएं की गई थीं, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या इतनी ज्यादा हो गई कि व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई। देर रात विठ्ठलेश्वर समिति की तरफ से प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि अधिक भीड़ होने से रुद्राक्ष वितरण के लिए बनाई गई बैरिरकैडिंग टूटने से फिलहाल रुद्राक्ष वितरण रोक दिया गया है। जब तक व्यवस्था ठीक नहीं हो जाती है, तब तक रुद्राक्ष का वितरण नहीं किया जाएगा। हालांकि शिव महापुराण कथा जारी रहेगी। भोपाल-इंदौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुबेरेश्वर धाम के दोनों ओर 10-10 किमी यानी 20 किमी लम्बा जाम लग गया और लाखों लोग जाम में फंस गए। इसके अतिरिक्त धाम परिसर में भी रुद्राक्ष लेने के लिए कतारों में लगे लोग बुरी तरह फंस गए। भीड़ इतनी थी कि पांच लाख की क्षमता वाले परिसर में कंधे से कंधे टकरा रहे थे, रुद्राक्ष लेने के लिए कतारों में लगे लोगों का दम घुट रहा था। भीड़ में फंसे लोगों को पानी तक नहीं मिल सका और कई लोगों की हालत बिगड़ गई वहीं एक महिला की मौत हो गई। देर शाम तक तबीयत बिगड़ने की शिकायत लेकर 35 से अधिक लोग जिला अस्पताल पहुंच चुके थे। व्यवस्थाएं न बिगड़े इसलिए 10 लोगों को भोपाल के अस्पताल भेजा जा चुका था।

भोपाल-इंदौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीहोर से

देर शाम तक तबीयत बिगड़ने की शिकायत लेकर 35 से अधिक लोग जिला अस्पताल पहुंच चुके थे। व्यवस्थाएं न बिगड़े इसलिए 10 लोगों को भोपाल के अस्पताल भेजा जा चुका था।

करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित कुबेरेश्वर धाम में 16 से 22 फरवरी तक रुद्राक्ष वितरण व शिवपुराण महोत्सव के लिए लोगों के पहुंचने का सिलसिला मंगलवार से शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं की संख्या का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भीड़ को देखते हुए आयोजन के एक दिन पूर्व बुधवार से ही रुद्राक्ष वितरण शुरू कर दिया गया और रात तक डेढ़ लाख से अधिक रुद्राक्ष वितरित भी किए जा चुके थे। गुरुवार को रुद्राक्ष महोत्सव शुरू हुआ, लेकिन यहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई।

दोपहर तक भारी भीड़ के बीच कतार में लगे श्रद्धालुओं की हालत बिगड़ने लगी। रुद्राक्ष लेने के लिए कतार में लगी महाराष्ट्र से आई 52 वर्षीय मंगलबाई की मौत हो गई, जबकि घंटों से कतार में लगे होने और धक्का-मुक्की 35 से अधिक लोगों की हालत खराब हो गई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। भीड़ से बेड फुल न हो इसलिए 10 को भोपाल भेज दिया गया। जबकि भीड़ में कई महिलाएं लापता हो गई, जिन्हें स्वजन एनांउस, इंटरनेट आदि माध्यमों से तलाशने के प्रयास करते नजर आए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पाकिस्तान का हाल, बिल्कुल बेहाल

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पाकिस्तान इस समय दक्षिण एशिया का सबसे गया बीता देश बन गया है। यों तो श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और बांग्लादेश की भी हालत अच्छी नहीं है। इन सभी देशों की अर्थ व्यवस्थाएं संकट में हैं लेकिन पाकिस्तान में मंहगाई इस कदर छलांग मार रही है कि आम लोगों का रोजाना का भरण-पोषण भी मुश्किल हो गया है। पेट्रोल पौने तीन सौ रू. लीटर, गेहूं सवा सौ रू. किलो, टमाटर ढाई सौ रू. किलो और चिकन साढ़े सात सौ रु. किलो हो गया है। लोग घी-तेल की छीना-झपटी पर उतारू हो गए हैं। सरकार ने अपने लघु बजट में नागरिकों पर तरह-तरह के नए टैक्स ठोक दिए हैं। विदेशी मुद्रा का भंडार भी लगभग खाली हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पाकिस्तान को 1.1 बिलियन डॉलर का कर्ज देने को तैयार है लेकिन उसकी शर्त है कि पाकिस्तान की सरकार पहले अपनी आमदनी बढ़ाये। कर्ज में डूबी सरकार का अब एक ही नारा है- 'मरता, क्या नहीं करता?' वित्तमंत्री इशाक डार ने जो कि मियां नवाज़ शरीफ के समधी हैं, जो अभी पूरक बजट पेश किया है, उसमें 170 बिलियन रूपए के नए टैक्स उगाहने का वादा किया है। इधर पाकिस्तान की अर्थ-व्यवस्था इतने भयंकर संकट में है याने वह किसी युद्ध की स्थिति से भी बदतर है लेकिन पाकिस्तान की राजनीति का हाल बिल्कुल बेहाल है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। इमरान की गिरफ्तारी की खबर आंधी की तरह लाहौर को घेरे हुए है। इमरान-समर्थक हजारों लोग उनके घर पर जमा हो गए हैं ताकि उन्हें कोई गिरफ्तार न कर सके। सरकार का जितना ध्यान अपने देश की डूबती हुई अर्थ व्यवस्था को उबारने में लगा है, उससे ज्यादा इमरान के साथ दंगल करने में लगा हुआ है। इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि इस्लामाबाद को बलूच, पठान और सिंधी लोग घूंसा दिखाने लगे हैं। वे पाकिस्तान से अलग होने का नारा लगाने लगे हैं। जिन तालिबान को टेका देने में पाकिस्तान की फौज ने जमीन-आसमान एक कर दिए थे, वे ही तालिबान अब डूरेंड लाइन को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इससे भी ज्यादा खतरनाक बात यह हो रही है कि जिस चीन पर तक़िया था, वही अब हवा देने लगा है। चीन ने अपना वाणिज्य दूतावास बंद कर दिया है। चीन अपनी रेशम महापथ योजना के तहत पाकिस्तान में सड़कें, रेल, पाइपलाइन और बंदरगाह बनाने पर लगभग 65 बिलियन डॉलर खर्च कर रहा है। लेकिन चीनी कंपनियां कुछ भी माल भेजने के पहले अग्रिम भुगतान की मांग कर रही हैं। पाकिस्तान के पास पैसे ही नहीं है। वह अग्रिम भुगतान कैसे करे? चीनी नागरिकों की हत्या से भी चीन नाराज है। पाकिस्तान को अन्य मुस्लिम देश भी उबारने के लिए तैयार नहीं हैं। यदि इस मौके पर शाहबाज सरकार में दम हो तो पाक-भारत व्यापार फिर से शुरु करे और मोदी से मदद मांगे तो एक पंथ, कई काज सिद्ध हो सकते हैं।

रामकृष्ण परमहंस जयंती

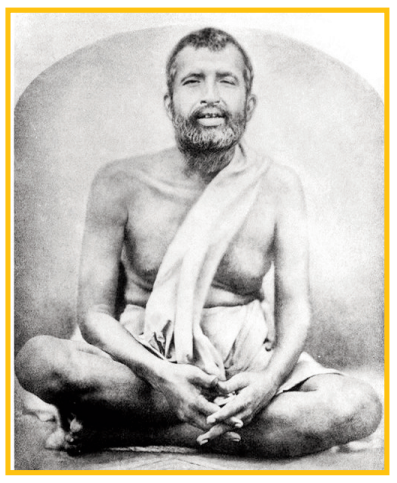

राम कृष्ण परमहंस जी एक महान विचारक थे, जिनके विचारों को स्वयं विवेकानंद जी ने पूरी दुनियाँ में फैलाया। राम कृष्ण परमहंस जी ने सभी धर्मो को एक बताया। उनका मानना था सभी धर्मो का आधार प्रेम। न्याय और परहित ही हैं। उन्होंने एकता का प्रचार किया। राम कृष्ण परमहंस जी का जन्म 18 फरवरी सन 1836 में हुआ था। बाल्यकाल में इन्हें लोग गदाधर के नाम से जानते थे। यह एक ब्राह्मण परिवार से थे। इनका परिवार बहुत गरीब था लेकिन इनमे आस्था। सद्भावना। एवं धर्म के प्रति अपार श्रद्धा एवम प्रेम था। राम कृष्ण परमहंस जी देवी काली के प्रचंड भक्त थे। उन्होंने अपने आपको देवी काली को समर्पित कर दिया था। राम कृष्ण परमहंस जी के विचारों पर उनके पिता की छाया थी।

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/18 फरवरी)

रामकृष्ण परमहंस भारत के बहुत प्रसिद्ध संत में से एक हैं। स्वामी विवेकानंद जी इनके विचारों से प्रेरित थे, इसी कारण विवेकानंद जी ने इन्हें अपना गुरु माना और इनके विचारों को गति प्रदान करने के लिए रामकृष्ण मठ की स्थापना की, जो कि बेलूर मठ के द्वारा संचालित हैं। रामकृष्ण मठ और मिशन नामक यह संस्था जन मानुष के कल्याण के लिए एवं उनके आध्यात्मिक विकास के लिए दुनियाँ भर में काम करती हैं।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार रामकृष्ण जयंती फाल्गुन द्वितीय तिथी शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 1892 जब श्री रामकृष्ण का जन्म हुआ था। तो प्रति वर्ष मनाई जाती हैं। इस प्रकार इंग्लिश कैलेंडर के अनुसार यह रामकृष्ण जयंती फरवरी अथवा मार्च में मनाई जाती हैं। राम कृष्ण परमहंस जी एक महान विचारक थे, जिनके विचारों को स्वयं विवेकानंद जी ने पूरी दुनियाँ में फैलाया। राम कृष्ण परमहंस जी ने सभी धर्मो को एक बताया। उनका मानना था सभी धर्मो का आधार प्रेम। न्याय और परहित ही हैं। उन्होंने एकता का प्रचार किया। राम कृष्ण परमहंस जी का जन्म 18 फरवरी सन 1836 में हुआ था। बाल्यकाल में इन्हें लोग गदाधर के नाम से जानते थे। यह एक ब्राह्मण परिवार से थे। इनका परिवार बहुत गरीब था लेकिन इनमे आस्था। सद्भावना। एवं धर्म के प्रति अपार श्रद्धा एवम प्रेम था। राम कृष्ण परमहंस जी देवी काली के प्रचंड भक्त थे। उन्होंने अपने आपको देवी काली को समर्पित कर दिया था। राम कृष्ण परमहंस जी के विचारों पर उनके पिता की छाया थी। उनके पिता धर्मपरायण सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। यही सारे गुण राम कृष्ण परमहंस जी में भी व्याप्त थे। उन्होंने परमहंस की उपाधि प्राप्त की और मनुष्य जाति को अध्यात्म का ज्ञान दिया। इन्होने सभी धर्मो को एक बताया। इनके विचारों से कई लोग प्रेरित हुए, जिन्होंने आगे चलकर इनका नाम और अधिक बढ़ाया। राम कृष्ण परमहंस जी को गले का रोग हो जान के कारण इन्होने 15 अगस्त 1886 को अपने शरीर को छोड़ दिया और मृत्यु को प्राप्त हुए। इनके अनमोल वचनों ने कई महान व्यक्तियों को जन्म दिया।

असली नाम -गदाधर , जन्म18 फरवरी 1836 - मृत्यु 15 अगस्त 1886

पिता खुदीराम पत्नी शारदा मणि

कर्म---संत। उपदेशक कर्म स्थान---कलकत्ता 7 शिष्य -- स्वामी विवेकानंद

अनुयायी---केशवचंद्र सेन, विजयकृष्ण गोस्वामी, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, बंकिमचंद्र चटर्जी, अश्विनी कुमार दत्त

इनका बाल विवाह शारदामणि से हुआ था, लेकिन इनके मन में स्त्री को लेकर केवल एक माता भक्ति का ही भाव था, इनके मन में सांसारिक जीवन के प्रति कोई उत्साह नहीं था, इसलिए ही सत्रह वर्ष की उम्र में इन्होने घर छोड़कर स्वयं को माँ काली के चरणों में सौंप दिया। यह दिन रात साधना में लीन रहते थे। इनकी भक्ति को देख सभी अचरज में रहते थे। इनका कहना था कि माँ काली इनसे मिलने आती हैं। वे उन्हें अपने हाथों से भोजन कराते हैं। जब भी माँ काली उनके पास से जाती वे तड़पने लगते और एक बच्चे की भांति अपनी माँ की याद में रुदन करते। उनकी इसी भक्ति के कारण वे पूरी गाँव में प्रसिद्द थे। लोग दूर- दुर से उनके दर्शन को आते थे और वे स्वयं दिन रात माँ काली की भक्ति में रहते थे।

रामकृष्ण जी के परमहंस उपाधि प्राप्त करने के पीछे कई कहानियाँ हैं। परमहंस एक उपाधि हैं यह उन्ही को मिलती हैं, जिनमे अपनी इन्द्रियों को वश में करने की शक्ति हो। जिनमे असीम ज्ञान हो और यही उपाधि रामकृष्ण जी को प्राप्त हुई और वे रामकृष्ण परमहंस कहलाये।

रामकृष्ण एक प्रचंड काली भक्त थे, जो माँ काली से एक पुत्र की भांति जुड़े हुए थे, जिनसे उन्हें अलग कर पाना ना मुमकिन था। जब रामकृष्ण माता काली के ध्यान में जाते और उनके संपर्क में रहते, तो वे नाचने लगते। गाने लगते और झूम- झूम कर अपने उत्साह को दिखाते, लेकिन जैसी ही संपर्क टूटता, वो एक बच्चे की तरह विलाप करने लगते और धरती पर लोट पोट करने लगते। उनकी इस भक्ति के चर्चे सभी जगह थे। उनके बारे में सुनकर संत तोताराम जो, कि एक महान संत थे, वो रामकृष्ण जी से मिलने आये और उन्होंने स्वयं रामकृष्ण जी को काली भक्ति में लीन देखा। तोताराम जी ने रामकृष्ण जी को बहुत समझाया, कि उनमे असीम शक्तियाँ हैं, जो तब ही जागृत हो सकती हैं, जब वे अपने आप पर नियंत्रण रखे। अपनी इन्द्रियों पर अपना नियंत्रण रखे, लेकिन रामकृष्ण जी अपनी काली माँ के प्रति अपने प्रेम को नियंत्रित करने में असमर्थ थे। तोताराम जी उन्हें कई तरह से मनाते, लेकिन वे एक ना सुनते। तब तोताराम जी ने रामकृष्ण जी से कहा, कि अब जब भी तुम माँ काली के संपर्क में आओ, तुम एक तलवार से उनके तुकडे कर देना। तब रामकृष्ण ने पूछा मुझे तलवार कैसे मिलेगी ? तब तोताराम जी ने कहा - अगर तुम अपनी साधना से माँ काली को बना सकते हो। उनसे बाते कर सकते हो। उन्हें भोजन खिला सकते हो। तब तुम तलवार भी बना सकते हो। अगली बार तुम्हे यही करना होगा। अगली बार जब रामकृष्ण जी ने माँ काली से संपर्क किया तब वे यह नहीं कर पाए और वे पुनः अपने प्रेम में लीन हो गए। जब वे साधना से बाहर आये, तब तोताराम जी ने उनसे कहा कि तुमने क्यूँ नहीं किया। तब फिर से उन्होंने कहा कि अगली बार जब तुम साधना में जाओगे, तब मैं तुम्हारे शरीर पर गहरा आघात करूँगा और उस रक्त से तुम तलवार बनाकर माँ काली पर वार करना। अगली बार जब रामकृष्ण जी साधना में लीन हुए। तब तोताराम जी ने रामकृष्ण जी के मस्तक पर गहरा आघात किया, जिससे उन्होंने तलवार बनाई और माँ काली पर वार किया। इस तरह संत तोताराम जी ने रामकृष्ण जी को अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण करना सिखाया।

रामकृष्ण जी ने कई सिद्धियों को प्राप्त किया। अपनी इन्द्रियों को अपने वश में किया और एक महान विचारक एवं उपदेशक के रूप में कई लोगो को प्रेरित किया। उन्होंने निराकार ईश्वर की उपासना पर जोर दिया। मूर्ति पूजा को व्यर्थ बताया। उनके ज्ञान के प्रकाश के कारण ही इन्होने नरेंद्र नाम के साधारण बालक जो कि आध्यात्म से बहुत दूर। तर्क में विश्वास रखने वाला था। को आध्यात्म का ज्ञान कराया। ईश्वर की शक्ति से मिलान करवाया और उसे नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद बनाया। राष्ट्र को एक ऐसा पुत्र दिया, जिसने राष्ट्र को सीमा के परे सम्मान दिलाया। जिसने युवावर्ग को जगाया और रामकृष्ण मिशन की स्थापना कर देश जागरूकता का अभियान चलाया और अपने गुरु को गुरुभक्ति दी।

अनमोल वचन

ख़राब आईने में जैसे सूर्य की छवि दिखाई नहीं पड़ती। वैस ही ख़राब मन में भगवान की मूरत नहीं बनती।

धर्म सभी समान हैं। वे सभी ईश्वर प्राप्ति का रास्ता दिखाते हैं।

अगर मार्ग में कोई दुविधा ना आये तब समझना की राह गलत हैं।

जब तक देश में व्यक्ति भूखा और निसहाय हैं। तब तक देश का हर एक व्यक्ति गद्दार हैं।

विषयक ज्ञान मनुष्य की बुद्धि को सीमा में बांध देता हैं और उन्हें अभिमानी भी बनाता हैं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

अमंगल हारी हैं देवाधिदेव भगवान शिव

(लेखक -सुनील माथुर /महाशिवरात्रि (18 फरवरी) पर विशेष)

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं।सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मानवता के पुजारी थे रामकृष्ण परमहंस

(धर्म अध्यात्म/ लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

- 18 फरवरी जन्म दिवस पर विशेष

स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के सुप्रसिद्ध संत महान विचारक व मानवता के पुजारी थे। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने सभी धर्मो को एक बताया है। उनका मानना था सभी धर्मो का आधार प्रेम, हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के एक ऐसे महान संत थे जिन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। इनका जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था। अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हें अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये। रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 285 रुपये की गिरावट के साथ 55,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में सोना 56,235 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 620 रुपये घटकर 65,005 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 285 रुपये की गिरावट के साथ 55,950 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें कम होने के साथ ही ये 1,821 डॉलर प्रति औंस रह गयी। चांदी भी नीचे आने के साथ ही 21.29 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

गोदरेज प्रापर्टीज ने खरीदा राज कपूर का बंगला

मुंबई । गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मुंबई के चेंबूर में दिग्गज फिल्म अभिनेता, निर्देशक और निर्माता राज कपूर के बंगले को खरीद लिया है। कंपनी की योजना इस जगह पर एक लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह जमीन राज कपूर के कानूनी वारिस कपूर परिवार से खरीदी गई है। सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया गया है। इससे पहले मई 2019 में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गोदरेज आरकेएस परियोजना विकसित करने के लिए कपूर परिवार से चेंबूर में आर के स्टूडियो का अधिग्रहण किया था। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हम इस प्रतिष्ठित परियोजना को अपने पोर्टफोलियो में जोड़कर खुश हैं और यह मौका देने के लिए हम कपूर परिवार के आभारी हैं।

ट्विटर के दिल्ली और मुंबई दफ्तर पर लगा ताला

- कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा

नई दिल्ली । दुनिया के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क ने भारत में ट्विटर के दो दफ्तरों को बंद करने का निर्देश दिया है। भारत में तीन में से दो ऑफिस को बंद करने का निर्देश दिया गया है। कंपनी ने कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा है। दरअसल एलन मस्क ट्विटर के खर्चों को कम करने के लिए लगातार बदलाव कर रहे है। कंपनी ने इसी के तहत भारत स्थित ट्विटर के तीन में से दो दफ्तर को बंद करने का फैसला किया है। जब से एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदा है, तब से लगातार बदलाव हो रहे हैं। इन्हीं बदलावों के बीच अब ट्विटर ने अपने दिल्ली और मुंबई दफ्तर को बंद करने का फैसला कर दिया है। गौरतलब है कि पिछले साल ट्विटर ने भारत में अपने 200 कर्मचारियों को निकाल दिया था। अब कंपनी ने दिल्ली और मुंबई ऑफिस को बंद करके कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा है। गौरतलब है` कि भारत में ट्विटर के तीन ऑफिस दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरू में हैं। यानी अब भारत में ट्विटर का सिर्फ एक ही ऑफिस रह गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ट्विटर की फाइनेंशियल स्थिति को सुधारने में जुटे है। साल 2023 के आखिर तक वो ट्विटर को वित्तीय रूप से स्थिर बनाने पर फोकस कर रहे हैं। इसी के तहत उन्होंने ना केवल बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की है, बल्कि ट्विटर के ऑफिस सर्विसेज में भी कटौती की है।

देश में मोबाइल फोन ग्राहक बढ़कर 117 करोड़ के पार

मुंबई ।

देश में मोबाइल फोन ग्राहक बढ़कर दिसंबर, 2022 में बढ़कर 117.03 करोड़ हो गए हैं। दूरसंचार नियामक ट्राई की तरफ की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में फोन ग्राहकों की संख्या नवंबर के 117.01 करोड़ से बढ़कर दिसंबर में 117.03 करोड़ हो गई। इस तरह मासिक आधार पर इसमें 0.02 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी मासिक ग्राहक रिपोर्ट में कहा कि दिसंबर में वायरलाइन ग्राहकों की संख्या बढ़कर 2.74 करोड़ हो गई जबकि नवंबर में यह 2.71 करोड़ थी। फिक्स्ड फोन ग्राहकों की संख्या बढ़ने के पीछे रिलायंस जियो के 2.92 लाख नए ग्राहकों की संख्या की अहम भूमिका रही। इस दौरान भारती एयरटेल ने 1.46 लाख नए ग्राहक जोड़े जबकि बीएसएनल ने 13,189 और क्वाड्रेंट ने 6,355 नए ग्राहक बनाए। दूसरी तरफ एमटीएनएल ने इस महीने में 1.10 लाख ग्राहक गंवा दिए जबकि वोडाफोन इंडिया ने 15,920 लैंडलाइन ग्राहक खो दिए। मोबाइल फोन धारकों की संख्या दिसंबर में मामूली गिरावट के साथ 114.29 करोड़ पर आ गई। नवंबर में यह संख्या 114.30 करोड़ थी। इस गिरावट के पीछे वोडाफोन आइडिया के 24.7 लाख ग्राहकों का कम होना एक बड़ा कारण रहा। दिसंबर में रिलायंस जियो ने 17 लाख नए मोबाइल फोन कनेक्शन दिए जबकि भारती एयरटेल ने 15.2 लाख नए ग्राहक जोड़े।

वहीं बीएसएनएल ने 8.76 लाख ग्राहक गंवा दिए। ब्रॉडबैंड कनेक्शन धारकों की संख्या नवंबर के 82.53 करोड़ से बढ़कर दिसंबर में 83.22 करोड़ हो गई।

विस्तारा के पायलट, चालक दल का बढ़ सकता है वेतन

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी विस्तार अप्रैल से पायलट एवं चालक दल के सदस्यों के वेतन में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रही है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। एयरलाइन से जुड़े इस सूत्र का कहना है कि पिछले छह माह में करीब 30 पायलट इस्तीफा दे चुके हैं और इस समय नोटिस अवधि पूरा कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर पायलट को खाड़ी देशों की एयरलाइंस से नौकरियों की पेशकश की गई हैं। हालांकि, वरिष्ठ पद पर तैनात एक अन्य एयरलाइन अधिकारी ने 30 पायलट के नौकरी छोड़ने के दावे को नकार दिया। उन्होंने अप्रैल से पायलट एवं चालक दल के सदस्यों का वेतन बढ़ाए जाने संबंधी सूचना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वेतन बढ़ाने का फैसला सालाना कामकाजी मूल्यांकन का हिस्सा है और इसके पीछे कोई अन्य वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ पायलट ने विस्तार एयरलाइन के एयर इंडिया के साथ विलय की योजनाओं को देखते हुए नौकरी छोड़ने का फैसला वापस भी लिया है। इस उच्च पदस्थ सूत्र ने कहा कि विस्तार ने अप्रैल से पायलट के वेतन में आठ प्रतिशत और चालक दल के सदस्यों के वेतन में छह प्रतिशत की वृद्धि की है। इस बारे में टिप्पणी के लिए विस्तार एयरलाइन को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। हालांकि, उसने अपने पायलट को भेजे आंतरिक ईमेल में वेतन-वृद्धि के फैसले से अवगत कराया है। विस्तार एयरलाइन टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच का एक संयुक्त उद्यम है। फिलहाल करीब 2,500 पायलट एवं चालक दल इससे जुड़े हुए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसके साथ ही आईटी और बैंक शेयरों में बिकवाली से भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.94 अंक करीब 0.52 फीसदी नीचे आकर 61,002.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 91.65 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी नीचे आकर की 17,944.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में नेस्ले, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस और भारती एयरटेल नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और रिलायंस के शेयरों में गिरावट रही। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नीचे आया जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट रही। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार को आगे बढ़ाने वाले कारक नहीं होने से वैश्विक रुख से ही बाजार पर प्रभाव आया। अमेरिकी बाजार में उम्मीद से अधिक मुद्रास्फीति से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया।। वहींअंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.74 फीसदी की गिरावट के साथ 83.66 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला।

वैश्विक बाजार में आई गिरावट का असर शुक्रवार सुबह घरेलू निवेशकों के सेंटिमेंट पर भी दिखा और वे कारोबार शुरू होते ही मुनाफावसूली पर उतर आए। निफ्टी फिर 18 हजार के नीचे कारोबार करता दिखा जबकि सेंसेक्स 61 हजार के ऊपर कारोबार करता दिखाई दे रहा है। गिरावट में भी आज कई शेयरों ने मुनाफा दिलाया है। सेंसेक्स सुबह 326 अंक टूटकर 60,994 पर खुला और कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 61 अंकों के नुकसान के साथ 17,975 पर खुला और कारोबार की शुरुआत की। बाजार में शुरुआत से ही बिकवाली का आलम रहा और निवेशक काफी देर तक मुनाफावसूली करते रहे। हालांकि बाद में स्थिति थोड़ी सुधरी और खरीदारी बढ़ने से शुरुआती नुकसान की कुछ हद तक भरपाई हुई।

मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में सात फीसदी की तेजी

मुंबई ।

मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड लेदर फुटवियर बनाने, बेचने और एक्सपोर्टर करने वाली प्रमुख कंपनी है। इसके पास कई जाने-माने ब्रांड्स हैं। साथ ही यह जाने-माने इंटरनेशनल ब्रांड्स के लिए भी लेदर सप्लाई करती है। यह विदेशी बाजारों के फिनिश्ड लेडर सप्लाई करने वाली देश की बड़ी कंपनियों में शामिल है। शेयर मार्केट में गिरावट के बावजूद इस स्टॉक में शुक्रवार को सात फीसदी से अधिक तेजी आई और इसका वॉल्यूम भी मजबूत रहा। यह स्टॉक 252.65 रुपये पर खुला और इसमें 249.95 रुपये तक गिरावट आई। लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आई और यह दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इस शेयर की कीमत में काफी तेजी दिख रही है। यह स्टॉक 20, 50 और 200 दिन के डेली मूविंग औसत से ऊपर ट्रेड कर रहा है। दिलचस्प बात है कि करीब दो महीने के गैप के बाद यह स्टॉक 200 दिन के मूविंग एवरेज से ऊपर जाने में सफल रहा है। इसका 14 दिन की अवधि का आरएसई करीब छह महीने के अंतराल के बाद 60 के लेवल को पार कर गया है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 14 पैसे नीचे आकर 82.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.77 पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 14 पैसे की गिरावट के साथ 82.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.70 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपये 82.73 के उच्चस्तर और 82.85 के निचले स्तर पर पहुंचा। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.59 फीसदी बढ़कर 104.47 हो गया। वहीं वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.75 फीसदी घटकर 83.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

विदेशी पर्यटक भी भारत में घूमने के दौरान यूपीआई से पैमेंट कर सकते

भारतीय रिजर्व बैंक ने भुगतान करने की अनुमति दी

मुंबई ।

भारत घूमने आने वाले विदेशी पर्यटक देश में यूपीआई के द्वारा पेमेंट कर सकते हैं, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी पर्यटकों को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से भारत में मर्चेंट भुगतान करने की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यूपीआई वैश्विक स्तर पर सबसे सफल इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों में से एक है। जी20 देशों के नागरिकों के लिए इसकी सेवाओं का विस्तार भविष्य में सहयोग के लिए इन देशों के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देगा। यह भारत में डिजिटल भुगतान के उपयोग को बढ़ाने के साथ-साथ उनके पेमेंट्स अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बढ़िया कदम है। भारत आने वाले विदेशी नागरिकों और अनिवासी भारतीयों को यूपीआई एक्सेस की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। शुरुआत में यह सुविधा जी-20 देशों के यात्रियों को चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर उनके मर्चेंट भुगतान (पी2एम) के लिए दी जाएगी, जब वे देश की यात्रा पर रहने वाले हैं। आरबीआई ने बताया कि आगे चलकर इस देश के सभी एंट्री प्वाइंट पर सक्षम किया जाएगा। आरबीआई ने कहा कि बैंक/गैर-बैंक जिन्हें प्री पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) जारी करने की अनुमति है, वे भारत आने वाले विदेशी नागरिकों/अप्रवासी भारतीयों को आईएनआर मूल्यवर्ग पूर्ण-केवाईसी पीपीआई जारी कर सकते हैं। रिजर्व बैंक के सर्कुलर में कहा गया कि इस तरह के प्रीपेड भुगतान उपकरण (पीपीआई) को फेमा के तहत विदेशी मुद्रा में लेनदेन के लिए अधिकृत संस्थाओं के साथ सह-ब्रांडिंग व्यवस्था में भी जारी किया जा सकता है।

एयर इंडिया ने 470 नहीं, 840 विमानों का ऑर्डर दिया

- डील के लिए टाट संस 85 अरब डॉलर रुपए खर्च करेगी

नई दिल्ली ।

टाटा के कमान संभालने के बाद से एयर इंडिया लगातार अपना विस्तार कर रही है। कंपनी ने हाल ही में अब तक की सबसे बड़ी डील की है। ये डील एविएशन सेक्टर की सबसे बड़ी डील है। एयर इंडिया ने 470 एयरबस और बोइंग विमानों की खरीद के लिए मेगा डील की। अब इस डील को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। एयर इंडिया ने इस डील के तहत एयरबस और बोईंग को 470 नहीं बल्कि 840 विमानों का ऑर्डर दिया है। एयर इंडिया के अधिकारी ने खुद इस बात की जानकारी दी है। एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल और ट्रांस्फॉर्मेशन ऑफिसर निपुन अग्रवाल ने अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर इस डील के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा कि विमानों की खरीदारी दो साल पहले शुरू हुए एयर इंडिया के निजीकरण के साथ शुरू हुए एक शानदार सफर का हिस्सा है। आने वाले दिनों में एयर इंडिया बोइंग और एयरबस से 470 हल्के विमानों खरीदेगी। इसके साथ ही इसमें 370 विमानों की खरीदारी का विकल्प भी शामिल है।

गौरतलब है कि 14 फरवरी को खबर आई कि एयर इंडिया फ्रांस और अमेरिकी की कंपनी एयरबस और बोइंग से 470 विमानों की खरीदारी करेगी। जिसमें 250 एयरबस विमान और 220 बोइंग विमान शामिल है। इस डील में 370 अतिरिक्त विमानों की खरीद का विकल्प शामिल किया गया है। इस डील में टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के बेडे में 40 बड़े आकार का ए350 और 210 छोटे आकार के एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। इस डील के लिए टाट संस 85 अरब डॉलर यानी करीब 70,39,86,15,00,00 रुपए खर्च करेगी। इस डील को एविएशन इंडस्ट्री की अबतक की सबसे बड़ी डील बताया जा रहा है। इस डील में 4 बड़े देशों के तार आपस में जुड़े हैं। इस डील में एयर इंडिया 34 अरब डॉलर खर्च करके अमेरिका से 220 बोइंग विमान खरीदेगी। इस डील में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस शामिल हैं।

स्टील का उत्पादन बढ़ाकर 300 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष किया जाएगा: सिंधिया

- प्रति व्यक्ति इस्पात खपत पिछले नौ वर्षो के दौरान 57 किलो से बढ़कर 78 किलो हो गई

नई दिल्ली ।

इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि 2030 तक इस्पात उत्पादन को 15 करोड़ टन से बढ़ाकर 30 करोड़ टन प्रतिवर्ष किया जाएगा। हाल ही में ग्लोबल जिंक समिट को में उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) जंग मुक्त स्टील के उत्पादन के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इस्पात उत्पादों में ऑक्सीकरण को रोकने के लिए जंग-रोधी विशेषताओं और गुणवत्ता के साथ, जस्ता में नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रामीण विद्युतीकरण जैसे क्षेत्रों के लिए जबरदस्त विपणन क्षमता है। गैल्वनाइज्ड स्टील हमारी लंबी तटरेखा के साथ-साथ मौजूद बुनियादी ढांचे को लंबा जीवन देगा। मंत्री ने कहा कि भारत इस समय दुनिया में जस्ता का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है और भारत में उत्पादित जस्ता का 80 प्रतिशत घरेलू स्तर पर खपत होता है।सिंधिया ने कहा कि भारत पहले ही दुनिया में दूसरे सबसे बड़े इस्पात उत्पादक के रूप में उभरा है और इसकी प्रति व्यक्ति इस्पात खपत पिछले नौ वर्षो के दौरान 57 किलोग्राम से बढ़कर 78 किलोग्राम हो गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने विशेष इस्पात के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 26 कंपनियों द्वारा प्रस्तुत 54 आवेदनों को सम्मानित किया है। जुलाई 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में विशेष इस्पात के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 6,322 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। यह प्रतिवर्ष 2.6 करोड़ टन की उत्पादन क्षमता बढ़ाने और 55,000 लोगों के लिए रोजगार सृजन के साथ 30,000 करोड़ रुपए के निवेश में मदद करेगा। मंत्री ने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के बड़े पूंजीगत खर्च की घोषणा की है, जिससे सभी क्षेत्रों में निवेश के जबरदस्त अवसर खुले हैं।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कैपिटल की 2025 में आईपीओ लाने की तैयारी

19 साल पहले आया था टाटा ग्रुप की कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी टाटा कैपिटल 2025 में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। उससे पहले कंपनी अपनी सहयोगी कंपनियों को कंसोलिडेट करने में जुटी है। टाटा कैपिटल ग्रुप की तीन कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है। इनमें टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज, टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस और टाटा क्लीनटेक कैपिटल शामिल हैं। आरबीआई ने पिछले साल सितंबर में टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज को नॉन बैंकिंग लेंडर्स की लिस्ट में शामिल किया था। आरबीआई की शर्तों को पूरा करने के लिए कंपनी को अब बोर्ड से मंजूर नीतियों के लागू करना होगा और तीन साल के भीतर लिस्ट होना होगा। जानकारों का कहना है कि बोर्ड इस बात का फैसला करेगा कि इसे अलग से लिस्ट किया जाए या होल्डिंग कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जाए। इस बारे में टाटा कैपिटल ने कोई टिप्पणी नहीं की। अधिकारियों का कहना है कि कंसोलिडेशन के बाद कुछ लोगों की भूमिका में बदलाव हो सकता है। आरबीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक एनबीएफसी को कैपिटल जरूरत, गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स और रेगुलेशन से जुड़ी कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। टाटा कैपिटल का कंसोलिडेटेड बुक साइज 31 मार्च, 2022 तक के आंकड़ों के मुताबिक 94,349 करोड़ रुपए है। वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान टाटा कैपिटल की कंसोलिडेट इनकम 10253 करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान कंपनी का मुनाफा भी 46 फीसदी बढ़कर 1648 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का आईपीओ 19 साल पहले आया था। टाटा ग्रुप साल 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ लाया था। टीसीएस आज देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,650,738.74 करोड़ रुपए है जबकि टीसीएस 1,300,481.74 करोड़ रुपए के साथ दूसरे नंबर पर है।

शेयर ब्रोकर और डिपॉजिटरी को अपनी वेबसाइट का संचालन अनिवार्यः सेबी

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने पारदर्शिता लाने के इरादे से सभी शेयर ब्रोकर एवं डिपॉजिटरी के लिए अपनी वेबसाइट का संचालन अनिवार्य कर दिया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि शेयर ब्रोकर एवं डिपॉजिटरी प्रतिभागियों की विभिन्न गतिविधियों के बारे में निर्दिष्ट वेबसाइट पर जानकारी देने से निवेशकों को संबंधित सूचना मिलेगी और पारदर्शिता लाने में भी मदद मिलेगी। सेबी ने कहा कि प्रौद्योगिकी में प्रगति और निवेशकों को बेहतर सेवाएं देने की जरूरत को देखते हुए सभी शेयर ब्रोकर एवं डिपॉजिटरी के लिए अपनी-अपनी वेबसाइट संचालित करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस तरह की वेबसाइट पर उनके पंजीकरण, कार्यालय का पता और शाखाओं के अलावा सभी प्रमुख अधिकारियों के नाम एवं संपर्क नंबर का ब्योरा उपलब्ध होगा। इसके अलावा वेबसाइट पर किसी संभावित ग्राहक के लिए खाता खोलने के बारे में बिंदुवार जानकारी भी देनी होगी। निर्दिष्ट ई-मेल पर शिकायत दर्ज की प्रक्रिया और शिकायत की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी भी वेबसाइट पर देनी जरूरी होगी।सेबी के मुताबिक, नई व्यवस्था 16 अगस्त से प्रभावी हो जाएगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिकॉर्ड होल्डर लॉन्ग जंपर जेसविन एल्ड्रिन नए सीजन के लिए तैयार

नई दिल्ली। एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करने के बाद लॉन्ग जंपर जेसविन एल्ड्रिन इस साल के अंत तक प्रमुख टूर्नामेंट में निरंतरता बरकरार रखना चाह रहे हैं। एल्ड्रिन ने अपने दूसरे प्रयास में 7.93 मीटर की छलांग दर्ज करने के बाद लंबी कूद में एक नया इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जो क्वालिफिकेशन राउंड में आए 7.93 मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर था। पिछले साल गुजरात में नेशनल गेम्स में, तमिलनाडु के जंपर ने 8.26 मीटर की छलांग के साथ विश्व चैंपियनशिप 2023 के लिए रास्ता बनाया था। उन्होंने पिछले साल जुलाई में विश्व चैंपियनशिप में डेब्यू किया था, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.79 मीटर था और 32 सदस्यीय क्षेत्र में 20वें स्थान पर रहे। एल्ड्रिन ने आईएएनएस को बताया, अब मैं इस सीजन में लगातार 8.20 मीटर, 8.30 मीटर कूदने में सक्षम होने के लिए लगातार काम कर रहा हूं। एल्ड्रिन ने अपने 2022 विश्व चैंपियनशिप के अनुभव को साझा करते हुए कहा, मैंने मिल्टियाडिस टेंटोग्लू और मेकेल मासो जैसे स्टार जम्पर्स से अनुभव प्राप्त किया। मैंने उन्हें कूदते देखा और उनसे बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, उसके बाद से उनके प्रदर्शन में गिरावट आई क्योंकि वह अगले तीन मुकाबलों में 8 मीटर तक ही कूद सके। इसके बाद, एल्ड्रिन को शुरू में विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था।

आईपीएल 2023: गुजरात-चेन्नई के बीच 31 मार्च को होगा पहला मुकाबला

- 28 मई को अहमदाबाद में फाइनल

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें सीजन का शेड्यूल शुक्रवार को जारी हो गया। डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच 31 मार्च को टूर्नामेंट का पहला मुकाबला खेला जाएगा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ये मैच होगा। 28 मई को फाइनल मुकाबला भी इसी स्टेडियम में होगा।

-58 दिन में 74 मुकाबले होंगे

58 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट में 10 टीमों के बीच कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। हर एक टीम 14 मैच खेलेगी, 7 अपने घर में और 7 विपक्षी टीम के घर में। 10 टीमों के बीच लीग स्टेज के 70 मुकाबले होंगे। लीग स्टेज के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-4 टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी।

18 डबल हेडर होंगे

टूर्नामेंट में 18 डबल हेडर होंगे, यानी 18 बार एक दिन में 2 मैच होंगे। इस दौरान पहला मैच दोपहर 3:30 बजे और दूसरा मैच शाम 7: 30 बजे से शुरू होगा। 31 मार्च को गुजरात और चेन्नई के बीच पहले मुकाबले के बाद 1 और 2 अप्रैल को दो डबल हेडर होंगे।

एक अप्रैल को पंजाब-कोलकाता के बीच पहला और लखनऊ-दिल्ली के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं, 2 अप्रैल को सनराइजर्स-राजस्थान के बीच पहला और बेंगलुरु-मुंबई के बीच दूसरा मुकाबला होगा। 8 अप्रैल और 6 मई को टूर्नामेंट की 2 सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मुकाबले होंगे।

प्लेऑफ मुकाबलों की तारीखें तय नहीं

लीग स्टेज के मुकाबलों के बाद प्लेऑफ के 4 मुकाबले होंगे। पॉइंट्स टेबल की टॉप-4 टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। आईपीएल के 70 लीग स्टेज के मुकाबलों का शेड्यूल ही जारी हुआ है। प्लेऑफ का शेड्यूल जारी नहीं हुआ। लेकिन, 23 मई को क्वालिफायर-1 खेले जाने की उम्मीद है। 24 मई को एलिमिनेटर और 26 मई को क्वालिफायर-2 हो सकता है। 28 मई को फाइनल की तारीख तय हो चुकी है।

पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमों के बीच क्वालिफायर-1 होगा। इसे जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। एलिमिनेटर में पॉइंट्स टेबल की तीसरे और चौथे नंबर की टीमें भिड़ेंगी। इसे जीतने वाली टीम क्वालिफायर-2 में पहुंचेगी। एलिमिनेटर की विजेता और क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीमों के बीच क्वालिफायर-2 होगा। क्वालिफायर-2 जीतने वाली टीम 28 मई को क्वालिफायर-1 की विजेता से फाइनल मुकाबला खेलेगी।

-12 शहरों में होंगे सभी मैच

टूर्नामेंट के 74 मैच 12 अलग-अलग शहरों में होंगे। आईपीएल टीमों के 10 शहरों के अलावा गुवाहाटी और धर्मशाला में भी मुकाबले होंगे। गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स टीम का और धर्मशाला का स्टेडियम पंजाब का होम ग्राउंड रहेगा।

आईपीएल टीमों के 10 शहर मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, जयपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, हैदराबाद, दिल्ली, मोहाली और कोलकाता होंगे।

बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने इस्तीफा दिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चेतन पर हाल ही में हुए एक स्टिंग ऑपरेशन में कई खुलासे करने के बाद इस्तीफे का दबाव पड़ने लगा था। चेतन पर आरोप है कि वह टीम की बातों को सार्वजनिक कर देते हैं जबकि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिये। चयनकर्ता होने के कारण उनके ऊपर मीडिया से किसी प्रकार की बात करने पर पाबंदी होती है। चेतन ने अपना इस्तीफा बोर्ड सचिव जय शाह को भेजा जिसे स्वीकार कर लिया गया है। चेतन को इससे पहले भी एक बार चयन समिति से इस्तीफा देना पड़ा था। इस बार स्टिंग ऑपरेशन का पूरा मामला सामने आने के बाद बोर्ड पर भी चेतन को हटाने का दबाव था। इससे पहले टी-20 विश्व कप में हार के लिए चेतन और पूरी चयन समिति को बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद चेतन को बोर्ड ने लगातार दूसरा अवसर दिया पर वह इस बार एक स्टिंग ऑपरेशन का शिकार बन गये। उन्होंने इस दौरान टीम चयन, खिलाड़ियों के रिश्ते और खिलाड़ियों के दर्दनाशक इंजेक्शन लेकर खेलने जैसे बातों को अनजाने में ही सार्वजनिक कर दिया। चेतन यह कहते हुए नजर आये कि खिलाड़ी फिट दिखाने के लिए इंजेक्शन लगाते हैं, जो डोप टेस्ट में भी नहीं पकड़ी जाती। इंजेक्शंस लगाते ही 80 फीसदी होने होने के बाद भी वे पूरी तरह से फिट होने का दावा कर खेलने लगते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि ये इंजेक्शनपेन किलर नहीं हैं। इन इंजेक्शन में ऐसी दवा होती है जो डोप टेस्ट में नहीं पकड़ी जाती है। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को टीम से बाहर होने का डर होता है, इसी वजह से इंजेक्शन लगाते हैं। उन्होंने अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली पर भी आरोप लगाये थे और कहा था कि पूर्व बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली के साथ उनका अहं का टकराव था। चेतन ने इस स्टिंग ऑपरेशन में हार्दिक पंड्या को भारतीय टी-20 टीम का भविष्य बताते हुए कहा था कि वह बहुत अच्छा क्रिकेट है और हमेशा मुझसे मिलने आता था। उन्होने ये भी कहा कि उमेश यादव, दीपक हुड्डा सहित कई क्रिकेटर उनसे मिलने आते थे। कप्तान रोहित शर्मा तो

शेफाली और ऋचा शॉट में प्रयोग से टीम की सहायता कर रहीं : हरमनप्रीत

केपटाउन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के अनुसार युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और ऋचा घोष अपने शॉट के प्रयोग से टीम को लाभ पहुंचाती हैं हालांकि इन दोनो ने पारंपरिक तरीके से ट्रेनिंग नहीं ली है। हरमनप्रीत ने कहा, 'शेफाली और ऋचा ऐसी खिलाड़ी हैं जो शॉर्ट गेंद खेलना पसंद करती हैं। वे पारंपरिक भारतीय बल्लेबाज नहीं हैं जो ड्राइव खेलना पसंद करती हों। वे ऐसी खिलाड़ी हैं जो शॉर्ट गेंद का आनंद लेती हैं और अब उन्हें सीनियर टीम में भी काफी लंबा समय बीत गया है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने अब तक 50 से ज्यादा मैच खेले हैं। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को जानती हैं और यह भी कि उन्हें किस तरह की गेंद मिल रही है, जब आप बल्लेबाजी के जाते हो तो यह समझना काफी अहम होता है कि कितनी रफ्तार से गेंद आ रही है और मुझे लगता है कि वे अब परिपक्व हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'यह देखकर अच्छा लगता है कि वे जिम्मेदारी ले रही हैं और हमें किसी भी परिस्थिति से बाहर निकाल रही हैं। कप्तान ने साथ ही कहा कि इस जोड़ी की बदौलत टीम का बल्लेबाजी लाइन अप गहरा हो गया है जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

महिला टी20 विश्व कप : नॉकआउट चरण में प्रवेश के लिए इंग्लैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेंगी भारतीय महिलाएं

शाम 6.30 बजे शुरू होगा मैच

गेकबेर्हा ।

भारतीय टीम शनिवार को टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट मैच में इंग्लैंड का सामना करेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले दोनो मैच जीते हैं और उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत दर्ज करना रहेगा पर इसके लिए उसे किसी भी तरह की गलती करने से बचना होगा। इस मैच में जीत से भारतीय टीम को नॉकआउट चरण में प्रवेश मिल जाएगा।

इसमें प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से जबकि दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराया था। इन दो जीत से भारतीय टीम सेमीफ़ाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अच्छी स्थिति में पहुंच गयी है। भारत की ओर से पहले दोनों मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने अच्छा प्रदर्शन किया पर जीत के लिए सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कप्तान हरमनप्रीत कौर के अलावा शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिक्स को रन बनाने होंगे। अब तक के मैचों में शेफाली अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रही हैं। वहीं उंगली की चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाली मंधाना पिछले मैच में रन नहीं बन पायीं थी। जेमिमा ने पहले मैच में रन बनाये थे पर दूसरे मैच में वह विफल रही। इसके अलावा हरमनप्रीत भी अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बना पाई है। उनका सबसे अधिक स्कोर 33 रन रहा है। भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड की स्पिनर चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और सारा ग्लेन से सावधान रहना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसी प्रकार उन्हें इंग्लैंड के बल्लेबाजों के खिलाफ भी अंकुश लगाना होगा।

इंग्लैंड की टीम में एलिस कैप्सी जैसी आक्रामक युवा बल्लेबाज हैं। भारतीय टीम की ओर से अबतक पूजा वस्त्राकर, रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम का क्षेत्ररक्षण उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वहीं इंग्लैंड टीम में भी काफी अच्छी खिलाड़ी हैं और वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। अभी तक दोनो ही टीमों के अंक बराबर हैं पर रन औसत के मामले में इंग्लैंड टीम भारत से आगे है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, देविका वैद्य, राधा यादव, रेणुका ठाकुर, अंजलि सरवानी, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़ और शिखा पांडे।

इंग्लैंड : हीथर नाइट (कप्तान), लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, फ्रेया डेविस, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, कैथरीन साइवर-ब्रंट, नैट साइवर-ब्रंट, लॉरेन विनफील्ड-हिल और डैनी व्याट।

संक्षिप्त समाचार

अश्विन ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूरे किये 700 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को आउट करते ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 700 विकेट पूरे कर लिए। अश्विन ने साल 2006 में तमिलनाडु टीम की ओर से खेलते हुए हरियाणा के खिलाफ अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 146 मैचों में कुल 701 विकेट लिए हैं। अश्विन ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 बार 5 विकेट लिए हैं, जबकि उन्होंने 32 बार एक पारी में 4 विकेट लिये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 59 रन देकर 7 विकेट रहा है। अश्विन एकमात्र गेंदबाज हैं, जिन्होंने टेस्ट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में स्टीव स्मिथ को दो बार खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेजा है। उन्होंने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को शून्य पर ही आउट कर दिया था। इससे पहले अश्विन ने साल 2020 में मेलबर्न टेस्ट में स्मिथ को शून्य पर आउट किया था।

शिव सुंदर दास बन सकते हैं भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य चयनकर्ता

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर शिव शिव सुंदर भारतीय क्रिकेट टीम के अगले मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। इससे पहले चयन समिति के अध्यक्ष पद से चेतन शर्मा ने इस्तीफा दे दिया था। चेतन पर एक स्टिंग ऑपरेशन के दौरान टीम की बातें सार्वजनिक करने के आरोप लगे थे। इसके बाद से ही उनपर इस्तीफे के लिए दबाव था। इसके अलावा बीसीसीआई पर भी दबाव था कि वह चेतन पर कार्रवाई करे। चेतन के इस्तीफे के बाद से ही 4 सदस्यीय कमेटी में शामिल शिव सुंदर दास के अगले मुख्य चयनकर्ता बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। अभी भारतीय टीम इंडिया 4 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेल रही है, जिसके आखिरी दो मैचों के लिए टीम चयन की जिम्मेदारी रहेगी और अब ऐसा माना जा रहा है कि शिव सुंदर टीम के अगले मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। शिवसुंदर ने अपने करियर के दौरान टीम इंडिया की ओर से 23 टेस्ट और 4 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें टेस्ट मैच में 34.89 की औसत से उन्होंने 1326 रन जबकि एकदिवसीय क्रिकेट में 13 की औसत से 39 रन बनाए थे। वह चयन समिति में सबसे अनुभवी सदस्य भी हैं। वहीं चयन समिति में शामिल अन्य सभी सदस्यों का उनुभव उनसे कहीं कम है। सलिल अंकोला को एक टेस्ट, 20 एकदिवसीय ,सुब्रतो बनर्जी को एक टेस्ट 6 एकदिवसीय, सिद्धार्थ शरद को 139 प्रथम श्रेणी मैचों का ही अनुभव है। शिव सुंदर अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद कोच भी रहे हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 263 रनों पर समेटने के बाद बनाये बिना किसी नुकसान के 21 रन

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम ने आज यहां के अरुण जेटली स्टेडिमय में शुरु हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 263 रनों पर समेटने के बाद दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिए थे। इस प्रकार भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर अब 242 रन पीछे है। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय रोहित शर्मा 13 और लोकेश राहुल 4 रनों पर खेल रहे थे। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करते हुए मैच पर शिकंजा कस दिया। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 263 रनों पर ही आउट हो गयी। सबसे अधिक 81 रन बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने बनाये जबकि पीटर हैंसकोंब 72 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर एक बार फिर असफल रहे ओर 15 रन ही बना पाये। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी शून्य पर ही आउट हो गये। इस प्रकार मेहमान टीम एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों का सामना करने में असफल रही। भारत की ओर से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चार जबकि स्पिनर आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा ने तीन-तीन विकेट विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार अंतराल पर विकेट खोये लंच तक टीम ने तीन विकेट पर 94 रन बनाये। वहीं लंच के बाद टीम ने चायकाल तक तीन और विकेट खो दिये। इस प्रकार उसने छह विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाऐ। इसके बाद बाद भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। कमिंस 23 रन पर और पीटर 36 रन पर बने हुए थे। पीटर हैंसकोंब ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक लगाया। वहीं, कमिंस ने 33 रन बनाए।

ब्रेक के बाद जडेजा की फिरकी काम कर गई और उन्होंने कमिंस के बाद अगले बल्लेबाज टॉड मर्फी को भी पेवेलियन भेज दिया। मर्फी के बाद नाथन ल्योन क्रीज पर आए और हैंसकोंब के साथ पारी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया पर शमी ने नाथन को 10 रन पर आउट कर दिया। नाथन के बाद मैथ्यू कुहेनमन क्रीज पर आए पर वह भी भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

जडेजा ने अपने 21वें ओवर में हैंसकोंब को आउट किया पर यह बॉल नो बॉल घोषि होने से उन्हें एक और अवसर मिल कगया। शमी ने एक और विकेट झटका, जिसमें बल्लेबाज मैथ्यू को वापस पवेलियन भेज दिया। इस दौरान पीटर हैंडस्कॉम 142 गेंदों में 9 चौके की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे।

रॉटरडैम ओपन : सितसिपास को हराकर क्वार्टर फाइनल में सिनर

इटली के टेनिस खिलाड़ी जनिक सिनर ने रॉटरडैम ओपन एटीपी 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए ग्रीस के नंबर 3 स्टेफानोस सितसिपास को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की। 21 वर्षीय इटालियन ने गुरुवार को यहां ग्रीक के खिलाफ 6-4, 6-3 से जीत दर्ज कर सितसिपास के खिलाफ चार मैचों में हार के सिलसिले को खत्म किया। सिनर ने अपनी सर्विस पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सितसिपास के खिलाफ एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करने के बाद एक घंटे 21 मिनट में मैच अपने नाम किया और अपने पहले सर्विस प्वाइंट का 89 प्रतिशत जीता। सिनर को एटीपी टूर वेबसाइट के हवाले से कहा, यह जीत स्पष्ट रूप से बहुत मायने रखती है। मैं बहुत खुश हूं। मैंने आज अच्छा टेनिस खेला, बहुत ध्यान केंद्रित किया। उम्मीद है कि मैं इसे जारी रख सकूंगा। लेकिन निश्चित रूप से, सितसिपास एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्होंने इस साल पहले ही अविश्वसनीय टेनिस खेला है। इतालवी शुक्रवार के क्वार्टर फाइनल में स्टैन वावरिंका से भिड़ेंगे। स्विस ने रॉटरडैम के दो मैचों में एक भी सेट नहीं छोड़ा है। अपने दूसरे एटीपी टूर क्वार्टरफाइनल के माध्यम से ब्रोवर को सोमवार को एक नई करियर-उच्च एटीपी रैंकिंग में बढ़त की उम्मीद है। 26 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी इस सप्ताह लाइव रैंकिंग में 45 पायदान ऊपर चढ़कर 115वें स्थान पर पहुंच गए थे।

जॉनसन और लिटन की शानदार बल्लेबाजी से विक्टोरियन ने जीता बीबीएल खिताब

ढ़ाका । जॉनसन चार्ल्स और लिटन दास के शानदार प्रदर्शन से कोमिला विक्टोरियन ने खिताबी मुकाबले में सिलहट को हरा कर बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) 2023 का खिताब जीत लिया है। इस मैच में सिलहट की शुरूआत खराब रही और तौहीद खाता भी नहीं खोल पाये जबकि कप्तान मुर्ताजा 1 रन बनाकर आऊट हो गए पर इसके बाद शांटो ने 64 और मुशफिकुर रहीम ने 74 रन बनाकर टीम के स्कोर को 175 रन तक पहुंचाया। इसके बाद जीत के लिए मिले 176 रनों का पीछा करते हुए विक्टोरियंस की ओर से लिटन दास और सुनील नरेन ने अच्छी शुरुआत थी। दोनों ने पहले 6 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 49 रन बनाए। वहीं चार्ल्स और लिटन ने तीसरे विकेट के लिए 9.3 ओवर में 70 रन जोड़े। लिटन 39 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए। वहीं चार्ल्स ने 52 गेंदों में 7 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 79 रन बनाये। इसके अलावा मोईन अली भी 17 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रहे। विक्टोरियन टीम ने 19.2 ओवरों में जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया।

सुमित नागल चेन्नई ओपन चैलेंजर के सेमीफाइनल में

चेन्नई।

भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल की चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में शानदार लय जारी है और उन्होंने शुक्रवार को यहां ब्रिटेन के जे क्लार्क को 6-1, 6-4 से हराकर पुरूष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दुनिया के 506 नंबर के खिलाड़ी नागल ने एक घंटे 22 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की जिससे अब वह अंतिम चार में अमेरिका के निकोलास मोरेनो डे अलबोरान से भिड़ेंगे। अलबोरान ने दूसरे दौर में शीर्ष वरीय चुन सिन सेंग को हराया था। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में एक घंटे 25 मिनट में जापान के यासुताका उचियामा को 6-3 6-4 से शिकस्त दी। नागल ने पहले सेट में पूरी तरह दबदबा बनाया और 25 साल के इस भारतीय ने तेज हिट करते हुए ब्रिटेन के खिलाड़ी को संतुलन नहीं बनाने दिया। उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। दूसरे गेम में हालांकि नागल को क्लार्क से कुछ चुनौती मिलेगी लेकिन एक सर्विस ब्रेक से उन्होंने सेट जीतकर मैच जीत लिया। आस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल ने दूसरे वरीय जेम्स डकवर्थ को 6-4 4-6 6-4 से शिकस्त दी जिससे अब वह सेमीफाइनल में हमवतन डेन स्वीनी से भिड़ेंगे। युगल वर्ग में सेबेस्टियन ओफ्नर और निनो सर्दारूसिच की जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और जीवन

नेदुनचेझियान की शीर्ष वरीय जोड़ी को सेमीफाइनल में 4-6 7-6 10-4 से शिकस्त दी। भारत के अर्जुन खाडे ने क्लार्क के साथ मिलकर चेक गणराज्य के पेट्र नोजा और एंड्रयू पेट्र पॉल्सन की जोड़ी को 7-5 4-6 10-8 से हराया।

सपना के वकील ने पृथ्वी पर नशे में होने और हमला करने का आरोप लगाया

मुम्बई । क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर हमला करने के मामले में हुई गिरफ्तार सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के वकील अली काशिफ खान देशमुख ने आरोप लगाया है कि घटना के समय पृथ्वी नशे में था और उसने सपना पर बल्ले से हमला किया था। वकील ने कहा कि अब वे पृथ्वी पर मामला दर्ज कराएंगे। वकील ने दावा किया कि उनकी क्लाइंट सपना एक प्रशसंक होने के नाते पृथ्वी से सेल्फी का आग्रह कर रही थी। उस समय पृथ्वी नशे में थे और उन्होंने अपने हाथ में बल्ला पकड़ा हुआ था जिससे उन्होंने सपना को मारा। पृथ्वी अगले दिन पुलिस के पास गया और मामला दर्ज करवा दिया। वकील ने कहा कि अब हम पृथ्वी के खिलाफ मामला दर्ज करवाएंगे क्योंकि वह नशे में था। उसने नशे की हालत में कार भी चलाई और हमें यह भी पता चला कि उसने एक बाइक को भी टक्कर मारी थी। सपना और पृथ्वी में कोई पुराना संबंध नहीं है, वह केवल उसके साथ एक सेल्फी लेने गई थी। अभी हम सपना की जमानत करवाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अनिल पारस्कर ने कहा कि मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में सपना के खिलाफ गैरकानूनी असेंबली, जबरन वसूली और अन्य धाराओं के तहत एक अपराध दर्ज किया गया था। आरोपी ने शिकायतकर्ता की कार को क्षतिग्रस्त कर दिया और फिर 50,000 रुपए की मांग की। अभी एक आरोपी पकड़ा गया है बाकियों की तलाश जारी है। डीसीपी ने कहा कि पृथ्वी पर हमले को लेकर आठ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे करें तोरई का संकर बीज उत्पादन

तोरई एक बेलवाली फसल है, जो जायद तथा खरीफ ऋतु में सफलतापूर्वक देश के कई स्थानों में लगायी जाती है। नर व मादा पुष्प एक ही बेल पर अलग-अलग स्थान पर तथा अलग-अलग समय पर खिलते हैं। नर पुष्प पहले तथा गुच्छों में लगते हैं जबकि मादा पुष्प बेल की पार्श्व शाखाओं पर व अकेले लगते हैं। पुष्प का रंग चमकीला चमकीला पीला एवं आकर्षक होता है। मादा पुष्प के निचले भाग में फल की आकृतियुक्त अण्डाशय होता है जो निषेचन के पश्चात फल का निर्माण करता है। पुष्प सांयकाल में 5 से 8 बजे के दौरान खिलते हैं। पुष्पन के दौरान नर पुष्पों से जीवित व सक्रिय परागकण प्राप्त होते हैं, साथ ही मादा पुष्पों की वर्तिकाग्र निषेचन के लिए अत्यधिक सक्रिय होती है। तुरई मे पर-परागण द्वारा निषेचन होता है जो मुख्यतः मधुमक्खियों द्वारा सम्पन्न होता है।

खेत का चुनाव

संकर बीज उत्पादन के लिए फसल बोने से पूर्व पिछले वर्ष खेत में उगाई गई फसलों की जानकारी पहले से कर लेनी चाहिए। खेत का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि पूर्व में उस खेत में तोरई की फसल नहीं ली गई हो, क्योंकि पिछली फसल का बीज खेत में गिर जाता है तथा यह बीज संकर बीज उत्पादन के लिए प्रयुक्त प्रजनकों के बीज के साथ उगकर मादा प्रजनक से पर-परागण करके संकर बीज को दूषित कर देते हैं। मृदा उचित जल निकासयुक्त, जीवांशयुक्त, बलुई दोमट या बलुई होनी चाहिए, जिसका पी.एच. मान 6.5 से 7.0 के मध्य का होना चाहिए।

मौसम का चुनाव :

तोरई के संकर बीज उत्पादन के लिए जायद मौसम की अपेक्षा, खरीफ मौसम अधिक उपयुक्त होता है। खरीफ मौसम में बेलों की वृद्धि, पुष्पन तथा फलन अधिक होता है। खरीफ में बीज की गुणवत्ता व फलत भी अधिक प्राप्त होती है ।

बीज का स्त्रोतः

संकर बीज उत्पादन के लिए दो पैतृक प्रजनको (नर व मादा) के आधारीय बीजों की जरूरत होती है। अतः पैतृक प्रजनको का बीज हमेशा विश्वशनीय संस्थानों जैसे कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य एवं केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों आदि से ही प्राप्त करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरकः

खाद एवं उर्वरक की मात्रा मृदा की उर्वरता पर निर्भर करती है। खेत की अन्तिम जुताई के समय 25 से 30 टन सड़ी-गली गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाना चाहिए। नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा क्रमशः 80:60:60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मिलानी चाहिए। नत्रजन की एक तिहाई तथा फास्फोरस व पोटाश की सम्पूर्ण मात्रा अन्तिम जुताई के समय देनी चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो समान भागों में बांटकर बुवाई के 25 से 30 तथा 45 से 50 दिनों के बाद खड़ी फसल में देना चाहिए।

पृथक्करण दूरीः

बीज की आनुवांशिक शुद्धता बनाये रखने के लिए पृथक्करण दूरी बनाये रखना अत्यन्त आवश्यक होता है। अतः इसके लिए संकर बीज वाली फसल को, तुरई की अन्य प्रजातियों तथा चिकनी तुरई आदि से कम से कम 800-1000 मीटर की पृथक्करण दूरी पर बोना चाहिए।

बीज की मात्राः

नर व मादा प्रजनकों के लिए बीज की मात्रा अलग-अलग ली जाती हैं। मादा प्रजनक के लिए लगभग 1.75 से 2.00 किलोग्राम एवं नर प्रजनक के लिए लगभग 0.50 किलोग्राम बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती है।

बीज उपचार एवं बुवाईः

बुवाई करने से पूर्व बीज को थाइरम नामक फफुदनाशी (2 ग्राम दवा प्रति किग्रा. बीज) से उपचारित करना चाहिए। शीघ्र अंकुरण के लिए बीजों को 20 से 24 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए तथा इसके पश्चात् टाट की बोरी के टुकडें में लपेट कर किसी गर्म जगह पर रखना लाभप्रद होता है। बीज की बुवाई नालियों में करनी चाहिए। नाली से नाली के बीच 3 मीटर तथा थाले से थाले के मध्य 80 सेमी. दूरी रखनी चाहिए। नालियाँ 50 सेमी. चौडी व 35 से 45 सेमी. गहरी बनी होनी चाहिए।

नर एवं मादा पौधों का अनुपातः

तुरई में संकर बीज उत्पादन के लिए नर व मादा प्रजनकों को एक निश्चित अनुपात (नर : मादा : 1 : 3) के अनुपात में खेत में बनी नालियों में बुवाई करनी चाहिए। खेत में प्रथम पंक्ति तथा अन्तिम पंक्ति में नर पैतृक जनकों की बुवाई करे जिससे कि पर-परागण के दौरान बीज की आनुवांशिक शुद्धता बनी रहती है।

संकर बीज उत्पादन की विधि :

तुरई में प्राकृतिक रूप से पर-परागण कीट पतंगों के माध्यम से होता है अतः संकर बीज उत्पादन की मुख्यतः दो विधियाँ अपनायी जाती है।

1. हाथ द्वारा कृत्रिम निषेचन करके : यह विधि पर्याप्त प्रथक्करण दूरी उपलब्ध न होने की दशा में अपनाई जाती है। इस विधि में मादा प्रजनक पर लगे पुष्पों को पुष्पन के एक दिन पहले बटर पेपर से बनी थैली से ढक देते है। इस थैली में 4-5 बारीक छिद्र हवा के आगमन के लिए करना आवश्यक है। अगले दिन सॉयकाल 4 से 8 बजे के मध्य नर पुष्पों से परागकण एकत्रित करके महिन ब्रुस की सहायता से बटर पेपर थैलों से ढके मादा पुष्पों की वर्तिकाग्र पर परागकणों को स्थानान्तरित कर पुनः बटर पेपर से ढक देते है। 3 से 4 दिनों के पश्चात् जब निषेचित मादा पुष्पों में फलन आरम्भ हो जाता है तो फल की पर्याप्त वृद्धि के लिए उन पर लगी थैलियों को सावधानीपूर्वक हटा देना आवश्यक है। अधिक गुणवत्ता बीज प्राप्त करने के लिए प्रत्येक बेल से 4 से 5 फल ही प्राप्त करना चाहिए इससे अधिक फल लेने पर बीजों के विकास एवं गुणवत्ता में कमी आती है।

2. खुला परागण द्वारा निषेचन (मादा प्रजनक के नर फूलों को हटाना तथा मधुमक्खियों द्वारा परागण) : इस विधि का उपयोग पर्याप्त पृथक्करण दूरी (800 से 1000 मीटर) उपलब्ध होने की दशा में चुना जाता है। मादा प्रजनकों पर लगे नर पुष्पों की पुष्पकलिकाओं को खलने से पहले ही तोड़ दिया जाता है इसके लिये खेत में पुष्पकलियों के खिलने से पहले खेत का लगातार निरीक्षण करना आवश्यक है। पर-परागण के लिए प्रति एकड़ एक मधुमक्खी का छत्ता पर्याप्त होता है।

अवांछनीय पौधों का निष्कासन :

संकर बीज उत्पादन में यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें पैतृक प्रजनको की आनुवांशिक तथा भौतिक शुद्धता बनी रहती है। खेत में पैतृक प्रजनको के अलावा तोरई की अन्य किस्मों के पौधों तथा चिकनी तोरई के पौधों को फूल आने से पूर्व अवश्य निकाल देना चाहिए। पैतृक प्रजनकों के आनुवांशिक गुणों का बीज उत्पादक को ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है।

- फसल का निरीक्षण निम्नलिखित तीन अवस्थाओं में करके अवांछनीय पौधों को निकाल देना चाहिए।
- फूल आने से पूर्व पौधे के बाहय गुणों के आधार पर जैसे पत्तों का रंग, आकार, बेल की वृद्धि इत्यादि।
- फूल आने के समय फूलों के गुणों के आधार पर जैसे फूलों का रंग, आकार एवं प्रकार आदि।
- फल की तुडाई से पूर्व, फल वृद्धि तथा तुड़ाई के समय फलों की गुणवता के आधार पर।

तुड़ाई एवं बीज निष्कासन :

मादा प्रजनक के फलों का रंग भूरा होकर फलों के तथा फल सुखने के पश्चात् इनको बेलों से तोड लिया जाता है। परिपक्व फलों को हिलाने पर फल में उपस्थित बीजों की आवाज आती है। परिपक्व फलों को 5 से 10 दिनों तक छायादार स्थान पर रखकर सुखाया जाता है, ताकि फलो एवं बीजों में उपस्थित अतिरिक्त नमी निकल जायें। सूखे हुए फलो से बीज निकाल लेना चाहिए। परिपक्व बीज काले व चमकीले रंग के दिखाई देते है।

उपज :

इस प्रकार तुरई के संकर बीज की उपज 1.5 से 2.0 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है।

कीट एवं व्याधि प्रबंधन :

इस फसल को मुख्यतः रस चूषक कीट जैसे फलमक्खी एवं लाल भृंग कीट द्वारा विभिन्न अवस्थाओ पर नुकसान पहूँचाया जाता है। अतः इन कीटों के नियंत्रण के लिए बेलों पर मैलाथियान या एण्डोसल्फान (1.5-2.0 मिली. प्रति लीटर) का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मृदुलोमिल आसिता रोग का प्रकोप गर्मियों के मौसम में बरसात हो जाने की दशा में अधिक होता है जिसकी रोकथाम के लिए डायथेन एम-45 (2.0 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करें। अधिक तापमान व शुष्क मौसम की दशाओं में चूर्णिल आसिता रोग के लक्षण बेलों पर दिखाई देते है। इसकी रोकथाम के लिए कैराथेन (2.0 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खुफिया सूचना पर सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी आत्मघाती हमलावर को मार गिराया

पेशावर । अफगानिस्तान की सीमा से सटे पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना पर शुरू किए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने एक तालिबानी आत्मघाती हमलावर को मार गिराया है। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) से संबंधित आत्मघाती बम हमलावर की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सिपनकाई इलाके में अभियान चलाया। सुरक्षा बलों के जवान गांव में पहुंचे और संदिग्ध परिसर को घेर लिया। सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी के दौरान हमलावर के शरीर में लपेटे गए बम में विस्फोट होने से वह मारा गया। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बम हमलावर अफगानिस्तान के लोगार प्रांत से आया था। प्रतिबंधित टीटीपी को पाकिस्तान तालिबान के नाम से जाना जाता है। टीटीपी पूर्व में सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाकर कई आत्मघाती हमले कर चुका है। समूह को अल-कायदा का करीबी माना जाता है और समूचे पाकिस्तान में इस पर 2009 के सैन्य मुख्यालय पर हमला, सैन्य अड्डों पर हमला और इस्लामाबाद में 2008 में मैरियट होटल पर हमला समेत कई हमलों को अंजाम देने का आरोप है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका करेंगे 'टेबल टॉप' सैन्य अभ्यास

सियोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका, उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल की स्थिति में अपनी संयुक्त प्रतिक्रिया पर विचार करने के लिए अगले सप्ताह अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में 'टेबल टॉप' सैन्य अभ्यास करेंगे। 'टेबल टॉप' अभ्यास का अर्थ है कि अहम भूमिका एवं जिम्मेदारियां निभाने वाले सैन्य अधिकारी एकत्र होकर आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया पर विचार-विमर्श करते हैं और योजना बनाते हैं। यह अभ्यास बुधवार को किया जाएगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया के लगातार आक्रामक होते परमाणु कार्यक्रम के मद्देनजर अपने 70 साल पुराने गठबंधन को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया ने एक बयान में बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर ध्यान केंद्रित करना है और इस बात पर चर्चा करना है कि अमेरिका के सहयोगियों पर हमलों को रोकने के लिए परमाणु समेत अमेरिका की पूर्ण क्षमताओं का इस्तेमाल करने की प्रणाली कैसे विकसित की जा सकती है।

इंडोनेशिया के अलगाववादी विद्रोहियों ने न्यूजीलैंड के पायलट को किडनैप किया

जकार्ता। इंडोनेशिया के अशांत पापुआ प्रांत में अलगाववादी विद्रोहियों ने एक पायलट का वीडियो जारी किया है। उस वीडियो में कहा गया है कि उन्होंने न्यूजीलैंड के इस पायलट को किडनैप कर लिया है। वीडियो के साथ पायलट की तस्वीर भी जारी कर दी। क्राइस्टचर्च के फिलिप मार्क मेहरटेंस इंडोनेशियाई एयरलाइन कंपनी सूसी एयर में पायलट हैं। फिलिप 7 मई को पैरो नाम के गांव में विमान से आए थे। उनका काम यहां से 15 कन्स्ट्रक्शन वर्कर्स को वापस लेकर जाना था। जो पापुआ प्रांत के इस सुदूर इलाके में स्वास्थ्य केंद्र बना रहे हैं। लेकिन इससे पहले कि फिलिप कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को लेकर वापस जाते विद्रोहियों ने उन्हें किडनैप कर लिया। इसके साथ ही विद्रोहियों ने उनके विमान में आग लगा दी। विमान में सवार पांच लोगों को विद्रोहियों ने छोड़ दिया लेकिन फिलिप को उन्होंने अपने साथ रोक लिया। जारी वीडियो में फिलिप राइफल्स, भाले, तीर और रखने वाले विद्रोहियों के बीच घिरे देखे जा सकते हैं। इसके अलावा वह विद्रोहियों के दवाब में आकर इंडोनेशिया से पापुआ की आजादी की मांग कर रहे हैं। हालांकि बाद में इंडोनेशिया की सरकार ने कहा कि वह फिलिप की हर संभव मदद करने वाले हैं, जल्द ही उन्हें छुड़ा लिया जाएगा। क्षेत्रीय कमांडर मुहम्मद सालेह मुस्तफा ने कहा कि इंडोनेशिया सरकार वर्तमान में गतिरोध को तोड़ने की कोशिश करने के लिए नरम रुख अपना रहा है। स्थानीय राजनेताओं और धार्मिक हस्तियों के साथ फिलिप की सुरक्षित रिहाई करने की कोशिश की जा रही है।

सूसन वोज्स्की ने यू ट्यूब प्रमुख के पद से दिया इस्तीफा, अब नील मोहन संभालेंगे कमान

वाशिंगटन। पिछले नौ सालों से वैश्विक ऑनलाइन वीडियो-शेयरिंग और सोशल मीडिया मंच का नेतृत्व करने वाली यूट्यूब की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सूसन वोज्स्की ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उनका स्थान भारतीय मूल के अमेरिकी नील मोहन लेंगे। वोज्स्की (54) ने अपने ब्लॉग में बताया कि इस्तीफा देने के बाद वह परिवार, अपने स्वास्थ्य और व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान केंद्रित करेंगी। सूसन वोज्स्की गूगल की शुरुआती कर्मचारियों में से थीं और 2014 में वह यूट्यूब की सीईओ बनी थीं। उन्होंने बताया यूट्यूब के 'चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर' नील मोहन, यूट्यूब के नए प्रमुख होंगे। वोज्स्की ने यूट्यूब कर्मचारियों को एक ईमेल में लिखा आज मैंने यूट्यूब के प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका से पीछे हटने का फैसला किया है। उन्होंने कहा मेरे लिए ऐसा करने के लिए यह सही समय है, क्योंकि हमारे पास एक जबरदस्त टीम है। जब मैं नौ साल पहले यूट्यूब से जुड़ी थी, तब मेरी पहली प्राथमिकताओं में से एक बेहतर नेतृत्व टीम को लाना था। नील मोहन उन लोगों में से एक हैं, और अब वह सीनियर वाइस प्रेसीडेंट और यूट्यूब के नए मुख्य कार्यकारी होंगे। मोहन 2007 में 'डबलक्लिक' अधिग्रहण के साथ गूगल से जुड़े थे। वह 2015 में यूट्यूब के 'चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर' बने थे। मोहन स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। वह माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई सहित अमेरिका-आधारित भारतीय मूल के शीर्ष सीईओ की सूची में शामिल हो जाएंगे। इंदिरा नूई 2018 में पद छोड़ने से पहले 12 साल तक पेप्सिको की सीईओ के रूप में कार्यरत रही थीं।

कोलंबो पोर्ट सिटी बना रहा ड्रैगन, भारत के लिए खतरा पैदा हो सकता

-स्थानीय स्तर पर लोग कर रहे विरोध

कोलंबो । चीन के कर्जजाल से तबाह हो चुके श्रीलंका में ड्रैगन ने नई चाल चली है। चीन कोलंबो में विशाल पोर्ट सिटी बना रहा है, इसलेकर श्रीलंका के लोग सहमे हुए हैं। श्रीलंका डिफॉल्ट हो चुका है और उसके ऊपर अभी अरबों डॉलर का विदेशी कर्ज लदा हुआ है। श्रीलंका लगातार चीन से कर्ज में राहत की गुहार लगा रहा है, लेकिन ड्रैगन के कान में चू तक नहीं रेंग रहा है। वहीं श्रीलंका को कंगाली में पहुंचाने वाले भारत विरोधी पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे चीन की शरण में पहुंच गए हैं। कोलंबो पोर्ट सिटी को लेकर श्रीलंका में स्थानीय स्तर पर विरोध बढ़ता जा रहा है। श्रीलंका की तट रेखा 1340 किमी लंबी है और इसमें दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत समुद्री तट शामिल हैं। चीन श्रीलंका की राजधानी के व्यवसायिक इलाके में पोर्ट सिटी बना रहा है। हाल ही में यहां एक कृत्रिम समुद्री तट का उद्घाटन किया गया था। श्रीलंका की शोधकर्ता प्रियांगी जयसिंघे ने कहा कि यह तट केवल अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने के लिए है। जयसिंघे इस प्रॉजेक्ट का कड़ा विरोध कर रही हैं। उनका मानना है कि यह पोर्ट सिटी श्रीलंका में चीन के पैसे से चल रहे विवादित प्रॉजेक्ट में एक है, जो सफेद हाथी साबित होगा। चीन 269 हेक्टेयर के इलाके में यह पोर्ट सिटी बन रही है। इस प्रॉजेक्ट का विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि यह पोर्ट सिटी प्रॉजेक्ट चल नहीं पाएगा और इससे देश की बर्बाद हो चुकी अर्थव्यवस्था को कोई फायदा नहीं होगा। जयसिंघे कहती हैं, चीन के पोर्ट सिटी का श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर बहुत कम असर होगा। यह एक अलग टैक्स फ्री ड्रीमलैंड बन रहा है। वह भी तब जब पूरा देश आर्थिक संकट से निपटने के लिए अत्यधिक टैक्स की मार से बर्बाद हो गया है। श्रीलंका में बन रहा पोर्ट सिटी चीन के विवादित बेल्ट एंड रोड प्रॉजेक्ट का हिस्सा है और 1.4 अरब डॉलर की भारी भरकम राशि का खर्च आएगा। चीन के कर्ज के तले दबे श्रीलंका के लिए यह बहुत बड़ी राशि है। इस प्रॉजेक्ट को हार्बर इंजीनियरिंग कंपनी बना रही है, जो चीन की सरकारी कंपनी का हिस्सा है। श्रीलंका की पोर्ट सिटी साल 2041 में बनकर पूरी तरह से तैयार होगी। इसके लिए अभी से कई इलाके बनकर तैयार हो गए हैं। इसमें कृत्रिम समुद्री तट, पुल आदि शामिल हैं। इस आम जनता के लिए अभी बंद रखा गया है। श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर चीन के इस विशालकाय प्रॉजेक्ट से भारत के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। अभी हाल ही में श्रीलंकाई सरकार ने चीन के जासूसी जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह पर रुकने की मंजूरी दे दी थी।

हेग में 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस को लेकर एक सम्मेलन में शामिल हुए।

यूक्रेन को सैन्य मदद की खबरों को पाकिस्तान ने खड़न किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया था कि उसने रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन को गोला-बारूद मुहैया कराया है। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा, पाकिस्तान द्वारा यूक्रेन को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के बारे में रिपोट सही नहीं है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा यूक्रेन को गोला-बारूद मुहैया कराने का दावा करने वाली रिपोर्टें पिछले साल के मध्य से नियमित रूप से मीडिया में सामने आई हैं। लेकिन इस्लामाबाद ने बहुत कम मौकों पर आधिकारिक तौर पर रूस-यूक्रेन संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है। विदेशी मीडिया ने कुछ दिनों पहले रिपोर्ट दी थी कि गोला-बारूद की आपूर्ति कीव की एक बड़ी चिंता रही है। यूक्रेन ने गोला बारूद के लिए अपने सहयोगियों दक्षिण कोरिया और पाकिस्तान जैसे देशों से मदद मांगी है। प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तान सैन्य संघर्षों में हस्तक्षेप न करने की नीति रखता है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से कई रिपोटरें में आरोप लगाया गया था कि गोला-बारूद को किसी अन्य यूरोपीय देश के माध्यम से यूक्रेन भेजा गया। पाकिस्तान केवल उन देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जो इनका इस्तेमाल खुद के लिए करे और किसी दूसरे देश को ना दे।

पाकिस्तान को कंगाल बनने में दोस्त चीन का अहम रोल

-अमेरिका ने खोल दी दोनों की दोस्ती की पोल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। श्रीलंका की तरह डिफॉल्ट होने की कगार पर पहुंचे पाकिस्तान को महासंकट में फंसाने में चीन की बड़ी भूमिका है। चीन और पाकिस्तान दोनों ही दावा करते हैं कि दोनों आयरन ब्रदर हैं, लेकिन अमेरिका ने चीन-पाकिस्तान की दोस्ती की पोल खोलकर रख दी है। अमेरिका ने कहा है कि चीन के कर्ज को लेकर न केवल पाकिस्तान बल्कि दुनिया के अन्य देशों को बहुत सतर्क रहना होगा। पाकिस्तान पर लदे कुल विदेशी कर्ज का 30 फीसदी चीन ने दे रखा है। पाकिस्तान पर इस समय 100 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है और उसके विदेशी मुद्रा भंडार में मात्र 3 अरब डॉलर ही है। इस तरह पाकिस्तान पर चीन का 30 अरब डॉलर का कर्ज है।

पाकिस्तान वर्तमान में महाकंगाली की हालत में पहुंच गया है और उसके डिफॉल्ट होने का खतरा बढ़ गया है। पाकिस्तान अगर विदेशी कर्जों की किश्त को नहीं लौटा पाता है, तब पाकिस्तान को डिफॉल्ट घोषित कर दिया जाएगा। अमेरिका ने अब पाकिस्तान पर बढ़ते चीन के कर्ज पर गंभीर चिंता जाहिर की है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के काउंसलर डेरेक चोलेट ने इस्लामाबाद में चीन के बढ़ते कर्ज पर गंभीर सवाल उठाए। पाकिस्तान ऐतिहासिक रूप से अमेरिका के करीब रहा है, लेकिन भारत से दुश्मनी साधने के लिए चीन की गोद में चला गया है।

चीन फिलहाल पाकिस्तान को कर्ज देने वाला अभी सबसे बड़ा कर्जदाता देश है, जो 30 अरब डॉलर की भारी भरकम राशि है। पाकिस्तान अभी विदेशी मुद्रा भंडार की कमी से कर्ज नहीं चुका पा रहा है। चोलेट ने कहा, चीन के बढ़ते कर्ज या चीन के स्वामित्व वाले कर्ज पर हमें अपनी चिंताओं को लेकर बहुत स्पष्ट होना होगा, न केवल यहां पाकिस्तान में बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी। उन्होंने पाकिस्तान के अधिकारियों से मुलाकात भी की है। आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक चीन और चीन के व्यवसायिक बैंकों ने पाकिस्तान के कुल विदेशी कर्ज का 30 फीसदी दे रखा है।

चीन ने जो लोन पाकिस्तान को दिया है, उसमें से एक बड़ा हिस्सा चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर को लेकर जो चीन के बेल्ट एंड रोड अभियान का हिस्सा है। चोलेट ने कहा कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ चीन की दोस्ती बढ़ाने के खतरे के बारे में बात कर रहा है लेकिन वह यह नहीं कहेगा कि इस्लामाबाद वॉशिंगटन और बीजिंग में से किसी एक को चुने। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के दोनों देशों के बीच रिश्ते में खटास आ गई थी लेकिन अब इमरान सरकार के जाने के बाद एक बार फिर से संबंधों में गर्मजोशी आई है।

बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण चीनी अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार जटिल : शी जिनपिंग

इस्लामाबाद (एजेंसी) बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि निवेश आकर्षित करने के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ने से चीन की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की मुहिम जटिल हो गई है। इसके साथ ही चिनफिंग ने कहा कि बड़े आर्थिक तथा वित्तीय जोखिमों की पहचान और समय रहते उनका समाधान करना भी जरूरी है। उन्होंने जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में प्रापर्टी बाजार और स्थानीय सरकारों पर बढ़ते कर्ज का खासतौर से जिक्र किया।

चीन की आधिकारिक मीडिया में देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति विषय पर प्रकाशित एक लेख में जिनपिंग ने कहा कि विदेशी निवेश को आकर्षित करने और उनका सही इस्तेमाल करने के लिए अधिक प्रयास किए जाने चाहिए। चीन में पिछले साल वृद्धि दर तीन प्रतिशत तक घट गई थी, जो पिछले 50 वर्षों में दूसरी सबसे कम वृद्धि है। जिनपिंग ने कहा कि 2023 में आर्थिक मोर्चे पर कई जटिलताएं हैं और इसे पुनर्जीवित करने के प्रयासों पर ध्यान देना चाहिए।

इमरान की गिरफ्तारी के लिए पहुंची पुलिस, पार्टी कार्यकर्ताओं ने बनाया सुरक्षा घेरा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान के आवास पर हाई वोल्टेड ड्रामा देखने को मिला। लाहौर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पहुंची। जबकि इमरान के सैकड़ों समर्थक और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में वहां पहुंचकर उनकी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उनके चारो ओर सुरक्षा घेरा बना लिया है। पाकिस्तान की एंटी टेररिज्म कोर्ट ने इमरान खान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद लाहौर के जमान पार्क में भारी पुलिस बल पहुंच गई। जैसे ही यह बात फैली कि पाकिस्तानी पुलिस खान को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है, पीटीआई कार्यकर्ता बड़ी संख्या में वहां एकत्र हो गए और नारे लगाते हुए उनके आवास के बाहर डेरा डाल दिया। इमरान के समर्थक झंडे लहराते, बैनर ले जाते हुए देखे गए, जबकि पृष्ठभूमि में गाने बज रहे थे। ज़मान पार्क की ओर पैदल और वाहनों में जाने वालों को सड़क के अवरोधों को हटाते और हटाते हुए देखा गया। पार्टी अध्यक्ष को गिरफ्तार करने के पुलिस के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए महिलाओं और बच्चों सहित पीटीआई के सैकड़ों समर्थकों ने जमां पार्क में जमा होना शुरू कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीटीआई नेता मुसरत जमशेद चीमा ने कहा अगर सरकार ने इमरान खान को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो पूरा देश सड़कों पर उतर आएगा। पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे पार्टी प्रमुख को गिरफ्तार करने के किसी भी प्रयास को विफल कर देंगे।

बाइडेन की चीन को दो टूक, अमेरिका की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले की अब खैर नहीं

वाशिंगटन। ।(एजेंसी)। जासूसी बैलून पर चीन और अमेरिका अब आमने-सामने आ गए हैं। जासूसी गुब्बारे के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन को खरी-खरी सुनाई है। बाइडेन ने चीन को दो टूक कह दिया कि अमेरिका की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले की अब खैर नहीं है। बाइडेन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अमेरिका की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने की गलती न करे चीन। अगर ऐसा हुआ तो फिर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

जो बाइडेन ने कहा कि इंटेलिजेंस कम्युनिटी के मुताबिक, इसकी संभावना ज्यादा है कि ये निजी कंपनियों, स्टडी या मौसम की जानकारी लेने के लिए भेजे गए बैलून थे। उन्होंने कहा कि उन्हें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करने की उम्मीद है। अमेरिकी लड़ाकों द्वारा गिराए गए चीनी गुब्बारे और तीन अज्ञात वस्तुओं के बारे में अपनी सबसे व्यापक टिप्पणी में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका इस मुद्दे पर चीन के साथ कूटनीतिक रूप से संलग्न था। अमेरिका, चीन के साथ नया कोल्ड वॉर नहीं चाहता। हम चीन के साथ बातचीत जारी रखेंगे और इन कथित स्पाई बैलून को लेकर चीनी राष्ट्रपति से बात करेंगे।

इससे पहले चीन ने धमकी देते हुए कहा था कि हम कार्रवाई का अब जवाब देंगे। अमेरिका में पिछले दिनों तीन जासूसी बैलून नजर आए थे। इन्हें बाद में फिर शूट डॉउन किया गया था। चालबाज चीन ने अमेरिका को गीदड़भभकी देते हुए कहा कि वो इस कार्रवाई का जवाब जरूर देगा। ये धमकी चीनी विदेश मंत्री ने दी। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि बैलून को लेकर अमेरिका ने ओवर रिएक्ट किया है। मानव रहित बैलून को गिराया जाना उचित नहीं था। इस तरह की कार्रवाई दोनों देशों में तनाव बढ़ाने वाली थी। जिसका चीन जवाब देगा।

दुनिया के लिए बर्ड फ्लू बन सकता है नया खतरा

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बर्ड फ्लू को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। उनके मुताबिक कोरोना के बाद अब बर्ड फ्लू दुनिया के लिए नया खतरा बन सकता है। हाल ही में डब्ल्यूएचओ के एक एनालिसिस में कहा गया है कि ये बीमारी इंसानों के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। डब्ल्यूएचओ के चीफ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस का कहना है कि एच5एन1 25 सालों से जंगली पक्षियों और पोल्ट्री में एक पड़े पैमाने पर फैल रहा है, लेकिन हाल ही में स्तनधारियों में पाए गए इस इन्फेक्शन की बारीकी से निगरानी करने की जरूरत है.डब्ल्यूएचओ के चीफ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि 1996 में एच5एन1का पहला केस सामने आया था |हमने एच5एन1 के केवल दुर्लभ और कम ट्रांसमिशन को मनुष्यों के बीच देखा है |लेकिन हम यह नहीं मान सकते हैं कि स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी।

अमेरिका-रूस तो केवल डराएंगे, ड्रैगन महाविनाश लाएगा, 2035 तक 1500 एटम बम बना लेगा चीन!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पेंटागन ने अमेरिकी कांग्रेस को एक रिपोर्ट सौंपी है। उस रिपोर्ट में अंदेशा जाहिर किया गया है कि चीन तेजी से एटम बम बना सकता है। इसके साथ ही जानकारी है कि 2035 तक चीन के पास 1500 एटम बम हो सकते हैं। हालांकि चीन की तैयारी पेंटागन के अनुमान से कहीं आगे की है। चीन न केवल एटम बम बना रहा है बल्कि इसे दागने के लिए आईसीबीएम मिसाइल लॉन्चर भी बड़ी तादाद में बना रहा है।

अमेरिका से ज्यादा आईसीबीएम मिसाइल लॉन्चर बना रहा

रेस चाहे एटम बम की हो या फिर एटम बम ले जाने वाली इंटरकाउंटिनेंटल मिसाइलों की, सर्वनाश का सामान एकट्ठा करने की दौड़ में चीन अमेरिका से भी आगे निकलने की कोशिश में लगा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय को जिनपिंग की दो विनाशकारी योजनाओं के बारे में पता चला है। पहली योजना 2027 की है और दूसरी 2035 की है। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार चीन अमेरिका से ज्यादा आईसीबीएम मिसाइल लॉन्चर बना रहा है। अक्टूबर 2022 के बाद चीन और अमेरिका के हथियारों का संतुलन बदल गया है। चीन ने महाविनाश के कई हथियारों की रेस में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है।

परमाणु जखीरे को बढ़ाकर 1,500 कर देगा चीन

जब रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की, तो नाटो अपनी इच्छा के बावजूद रूस पर आक्रमण नहीं कर सका। रूस के परमाणु जखीरे को इसके पीछे मुख्य कारण बताते हुए शी जिनपिंग ने पिछले साल नवंबर के महीने में परमाणु हथियारों के महत्व पर जोर दिया था। 2022 में अमेरिका ने भी दावा किया था कि चीन अपनी परमाणु ताकत बढ़ा रहा है। अमेरिका ने कहा था कि 2035 तक चीन अपने परमाणु जखीरे को बढ़ाकर 1,500 कर देगा

किसके पास कितने परमाणु हथियार हैं

रूस	5977
अमेरिका	5428
चीन	350
फ्रांस	290
ब्रिटेन	225
पाकिस्तान	165
भारत	160
इजराइल	90
नॉर्थ कोरिया	20

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवभक्तों के लिए अच्छी खबर, श्रीनगर के पंथा चौक पर बनेगा 'बाबा अमरनाथ की रिप्लिका', एलजी का ऐलान

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि से पहले जम्मू कश्मीर प्रशासन ने शिव भक्तों को एक बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, जम्मू कश्मीर बाबा अमरनाथ गुफा के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। हर साल लाखों की संख्या में शिवभक्त बाबा अमरनाथ के दर्शन करना चाहते हैं। हालांकि हर कोई वहां नहीं पहुंच पाता। इन सब के बीच ऐसे भक्तों के लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। खबर के मुताबिक के श्रीनगर के पंथा चौक पर जल्द ही बाबा अमरनाथ की रिप्लिका यानी की प्रतिकृति बनाई जाएगी। शिव भक्तों के लिए यह श्रद्धा का केंद्र तो रहेगा ही साथ ही साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा। इसको लेकर उपराज्यपाल ने मंजूरी भी दे दी है। मंजूरी के बाद अब प्रशासन इस कवायद में भी जुट किया है इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर प्रशासन बाबा बर्फानी की गुफा तक चार धाम की तर्ज पर सड़क भी बना रहा है इसको लेकर भी तैयारी शुरू हो गई है। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस बात का ऐलान शिवरात्रि के मौके पर जम्मू में कश्मीरी पंडितों के बीच आयोजित एक कार्यक्रम में में किया। मनोज सिन्हा ने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रीनगर के पंथा चौक पर बाबा अमरनाथ श्राइन बोर्ड का एक दफ्तर भी बनाया जाएगा। इसी दफ्तर के बाहर अमरनाथ बर्फानी की एक रिप्लिका बनाई जाएगी। इस रिप्लिका पर साल भर श्रद्धालु पहुंच सकते हैं तथा पर्यटकों के लिए भी यह आकर्षण का केंद्र रहेगा।

मुस्लिमों को देश छोड़ने की धमकी दे रहे धीरेंद्र शास्त्री, क्या कराना चाहते हैं एक और विभाजन : बरेलवी

बरेली। बागेश्वर धाम छतरपुर के पुजारी धीरेंद्र शास्त्री भारत के मुसलमानों को पासपोर्ट बनवाने और देश छोड़कर पाकिस्तान चले जाने की धमकी दे रहे हैं। इससे पहले वह टोपी वालों को सनातनी बनाने की बात कह चुके हैं और मुसलमानों को सुधर जाने की सलाह दे चुके हैं। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री अपनी बातों से देश को तोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखंड भारत 1947 में टूट चुका है, तो क्या धीरेंद्र शास्त्री भारत को दोबारा तोड़ना चाहते हैं? उन्होंने कहा जिन लोगों को पाकिस्तान जाना था वे चले गए हैं जिन लोगों को भारत पसंद था और यहां की सरजमीं से प्रेम करते थे वो यहीं रुक गये। उन्होंने कहा कि यह बहस 75 साल पहले ही खत्म हो चुकी है। अब दोबारा बंटवारे की बहस करना देश के वातावरण को खराब करने और नफरत फैलाने वाली बात है। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा धीरेंद्र शास्त्री की बातें देश हित में नहीं है, मुसलमानो को देश छोड़ने की धमकी देने से कट्टरपंथी विचार धारा वाले लोगों को और प्रतिबंधित सिमी व पीएफआइ जैसे संगठनों को देश विरोधी गतिविधियां करने के लिए मौका मिल जाएगा। इससे उन संगठनों और उन व्यक्तियों को बहुत नुक्सान होगा जो देश की तरक्की, सदभाव और अमन व शांति के लिए कार्य कर रहे हैं। मौलाना बरेलवी ने कहा मुसलमान बागेश्वर धाम आश्रम के किसी भी कार्यक्रम में भाग न लें और न ही बाबा और उनकी संस्था से किसी तरह का कोई ताल्लुक रखें। बाबा के कार्यक्रमो में जाना और उनके भाषणो को सुनना ईमान को कमजोर करना है, इसलिए किसी भी मुस्लिम व्यक्ति को बाबा के कार्यक्रम में शिरकत नहीं करनी चाहिए।

जली वाहन से दो कंकाल मिलने की घटना में राजस्थान पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने हरियाणा के भिवानी में गुरुवार को एक जली हुई गाड़ी में दो लोगों के कंकाल मिलने के मामले में छह लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों मृतक पुरुष हैं, उनकी अब तक पहचान नहीं की जा सकी है। आरोप है कि बजरंग दल से जुड़े गो–रक्षकों ने राजस्थान के भरतपुर में उनके गांव से दोनों का अपहरण किया था। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों में से एक गाय की तस्करी के मामलों में शामिल था और यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या यह अपराध गौ रक्षा का मामला था। भरतपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव ने कहा कि आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एफआईआर में जिन लोगों के नाम हैं, वे बजरंग दल से जुड़े हैं, लेकिन वे अपराध में शामिल थे या नहीं, इसका पता लगाया जा रहा है। पीड़ितों के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर राजस्थान के गोपालगढ़ पुलिस स्टेशन में पांच लोगों अनिल, श्रीकांत, रिंकू सैनी, लोकेश सिंगला और मोहित उर्फ मोनू मानेसर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है, जिन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 143 (गैरकानूनी विधानसभा), 365 (अपहरण), 367 (अपहरण के बाद गंभीर चोट) और 368 (गलत तरीके से कैद में रखना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस जघन्य घटना की निंदा की और कहा कि पुलिस को मामले में कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

शादी अमान्य हो चुकी हो तो टिक नहीं सकता दहेज प्रताड़ना का केस : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा अगर शादी अमान्य हो चुकी हो तो फिर दहेज प्रताड़ना का केस नहीं टिक सकता। एक अहम फैसले में शीर्ष कोर्ट ने कहा अगर शादी ही अमान्य (यानी शादी हुआ माना ही नहीं गया हो) हो चुकी हो तो आईपीसी की धारा–498 ए (दहेज प्रताड़ना) का केस नहीं चल सकता है। मौजूदा मामले में आरोपी को आईपीसी की धारा–498 ए के तहत दोषी करार दिया गया। इसके बाद यह मामला शीर्ष अदालत में पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि दोनों पार्टी की शादी को अमान्य करार दिया जा चुका है। मद्रास हाई कोर्ट ने शादी को अमान्य करार दिए जाने पर मुहर लगा दी थी। ऐसे में दहेज प्रताड़ना का केस नहीं बनेगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले के भी हवाला दिया गया। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस बात में संदेह नहीं है कि दोनों पक्षकारों की शादी अमान्य करार दिया जा चुका है। ऐसे में दहेज प्रताड़ना का केस नहीं बनेगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट शिवचरण लाल वर्मा से संबंधित मामले में भी यह व्यवस्था दे चुका है। सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश मामले में बताया गया कि दोनों पार्टी की शादी 4 दिसंबर 2003 को हुई थी। शादी के बाद ही पति–पत्नी में अनबन हो गई और दोनों ही अलग–अलग रहने लगे। पत्नी ने कन्याकुमारी थाने में पति के खिलाफ केस दर्ज कराया। आईपीसी की धारा–498 ए यानी दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया साथ ही दहेज निरोधक कानून के तहत भी केस दर्ज किया गया। ट्रायल कोर्ट ने सभी को दहेज प्रताड़ना और दहेज निरोधक कानून के तहत दर्ज केस में बरी कर दिया। इस मामले में हाईकोर्ट के सामने पत्नी और पुलिस ने अपील दाखिल की। हाईकोर्ट ने पति समेत तीन ससुरालियों को दहेज प्रताड़ना केस में दोषी करार दिया। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में आया। सुप्रीम कोर्ट में पति और अन्य की ओर से दलील दी गई कि हाईकोर्ट शादी अमान्य करार दे चुकी है। यह जजमेंट 25 फरवरी 2021 को आया था और इस तरह से दहेज प्रताड़ना का केस नहीं टिकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसमें संदेह नहीं है कि शादी अमान्य हो चुका है और ऐसे में दहेज प्रताड़ना का केस नहीं टिकता है। जहां तक दहेज निरोधक कानून का सवाल है तो उस मामले में भी ट्रायल कोर्ट ने पूरे कारण के साथ आरोपियों को बरी किया है। ऐसे में हाई कोर्ट को ट्रायल कोर्ट आदेश में दखल नहीं देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट के फैसले के खारिज कर दिया।

भंडारण में लापरवाही से हरियाणा में 176 करोड़ और पंजाब में 56 करोड़ का गेहूं सड़ा

अंबाला। भंडारण में लापरवाही से हरियाणा में 176 करोड़ रुपए का गेहूं सड़ गया है। यह वह गेहूं था जिसे केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत वंचितों में वितरित किया जाना था। जबकि, पंजाब में 56 करोड़ रुपए का गेहूं सड़ गया है। सड़े हुए गेहूं को पशु आहार बनाने वाली कंपनियां और शराब बनाने वाली कंपनियों को बेच दिया जाता है। हरियाणा और पंजाब में फर्क यह है कि पंजाब में हरियाणा से अधिक खरीद हुई थी, फिर भी वहां कम गेहूं सड़ा। दूसरी तरफ हरियाणा में पंजाब खरीद कम हुई, पर यहां अधिक गेहूं सड़ गया। हरियाणा में सात लाख 40 हजार 790 क्विंटल गेहूं यानी 14 लाख 81 हजार 580 बैग गेहूं सड़ गया। इसकी कीमत 176 करोड़ 30 लाख 80 हजार 200 रुपए है।

मोदी-अडानी गठबंधन देश की अर्थव्यवस्था व सुरक्षा के लिए खतरा : हिमाचल प्रदेश कांग्रेस

शिमला। (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अखिलेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अडाणी समूह के बीच 'गठजोड़' देश के लोगों, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे वर्ष 2024 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर कर इस 'गठजोड़' को खत्म करें। सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अडाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच कराने को इच्छुक नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''सबसे गंभीर आरोप यह है कि कई विदेशी कंपनियों ने अडाणी समूह में बड़ी राशि का निवेश किया। जितनी राशि का निवेश अडाणी समूह में किया गया है वह राशि उन कंपनियों के कुल मूल्य से भी अधिक है।

क्या इस बात की जांच नहीं की जानी कि निवेश की गई इस राशि का स्रोत क्या है?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''हमने संसद में मामले की जांच की मांग की, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक शब्द भी इस मुद्दे पर नहीं बोला। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि दोनों के बीच गठजोड़ है।'' सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार ने अडाणी की मदद करने के लिए 'नियमों को ताक पर रखकर काम किया।' उन्होंने दावा किया, ''अडाणी समूह को हवाई अड्डे और बंदरगाहों को देने के लिए नियमों को मनमाने तरीके से बदला गया।'' उन्होंने कहा, ''महामारी के दौरान सभी को नुकसान हुआ जबकि अडाणी समूह की संपत्ति में कई गुना वृद्धि हुई। वर्ष 2014 में अमीरों की सूची में 609वें स्थान पर मौजूद व्यक्ति दुनिया का दूसरा सबसे अमीर व्यक्ति बन गया।'' सिंह ने आरोप लगाया कि हिंडनबर्ग से पहले ही कई भारतीय एजेंसियों ने अडाणी समूह में वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितता को लेकर आगाह किया था लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

केंद्र की दमनकारी नीतियों का शिकार बनती जा रही है मनरेगा: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) केंद्र सरकार की 'दमनकारी नीतियों' का शिकार बनती जा रही है। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह भी कहा कि पहले मनरेगा का बजट काटना तथा फिर मानदेय को आधार से जोड़ना, गरीबों की आमदनी पर वार है। राहुल गांधी ने जिस रिपोर्ट का हवाला दिया उसमें कहा गया है कि दिल्ली में मनरेगा कर्मियों ने एप के जरिये उपस्थिति दर्ज किए जाने की व्यवस्था के विरोध में प्रदर्शन शुरू किया है।

कांग्रेस नेता ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''मनरेगा भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। एक क्रांतिकारी नीति जिसने अनगिनत परिवारों को सहारा दिया है। करोड़ों परिवारों का घर चला रही मनरेगा योजना केन्द्र की दमनकारी नीतियों का शिकार बनती जा रही है।'' उन्होंने दावा किया, ''पहले मनरेगा का बजट काटना, और अब वेतन को आधार से जोड़ना - ये दोनों ग़रीबों की आमदनी पर वार है।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार की आधार कार्ड के प्रति सोच थी, लोगों को सहूलियत देने की, पहचान की और आर्थिक सुरक्षा देने की। लेकिन मौजूदा सरकार न सिर्फ इस सोच का दुरुपयोग कर रही है, बल्कि इसका इस्तेमाल ग़रीब तबके के विरुद्ध कर रही है।'' उन्होंने यह दावा भी किया, ''न आधार का सही रूप से संचार हुआ, न सही सुरक्षा की व्यवस्था की गई। आधार कार्ड को मनरेगा के लिए अनिवार्य बना देने से 57 प्रतिशत ग्रामीण मज़दूरों को दिहाड़ी में नुकसान होगा।'' उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया, '' नए रोज़गार देने की इनके पास कोई नीति नहीं है। बस लोगों का रोज़गार छीनना और ग़रीबों को उनके हक़ का पैसा मिलने में अड़चनें पैदा करना ही इस सरकार की नीयत बन गई है। न नई सोच, न कोई योजना बस एक नीति, ग़रीबों की प्रताड़ना।

मां–बेटी की मौत की जांच के लिए क्यों नहीं भेजी गईं केंद्रीय टीम? : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में एक अतिक्रमणरोधी अभियान के दौरान मां–बेटी की मौत की जांच के लिए कोई केंद्रीय टीम क्यों नहीं भेजी गई? कथित तौर पर 13 फरवरी को कानपुर देहात जिले में एक अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान आत्मदाह के कारण दोनों की मौत हो गई थी। बनर्जी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में अभियान 'गरीब लोगों को बेदखल करने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने बांकुड़ा में एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार गरीबों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें जमीन का अधिकार देती है। बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विभिन्न मुद्दों पर केंद्रीय टीमों को पश्चिम बंगाल भेजे जाने के बारे में मुखर रही है। उन्होंने पूछा कि हाल में मध्याह्न भोजन वितरण और राज्य में मनरेगा कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर भी केंद्रीय दल यहां जांच के लिये पहुंचा था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर देहात में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मां–बेटी की मौत की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए। उनकी पार्टी के शासन में राज्य को अति–वामपंथी आतंक से मुक्त किये जाने का दावा करते हुए बनर्जी ने कहा कि पहले माओवादियों की लूट के कारण, बांकुड़ा, पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम और पुरुलिया जिलों में फैले प्रभावित जंगलमहल क्षेत्र में लोग अपने घरों से बाहर नहीं जा सकते थे। शुक्र है, पिछले 11 वर्षों में कोई माओवादी हमला या घात लगाकर हमला नहीं हुआ है और किसी को भी इस तरह के डर से घर के अंदर नहीं रहना पड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट आर्टिकल–370 रद्द करने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर करेगा सुनवाई

– सीजेआई ने कहा– ठीक है अब मैं फैसला करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को जल्द सूचीबद्ध करने पर फैसला करेगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ एवं न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा तथा न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने एक पक्ष की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन की दलीलों पर गौर किया कि इन याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई आवश्यक है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ठीक है। मैं इस पर फैसला करूंगा। पिछले साल 14 दिसंबर को लंबित मामलों में हस्तक्षेप कर रही पीठ के समक्ष अकादमिक एवं लेखक राधा कुमार ने याचिकाओं को जल्द सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। पिछले साल 25 अप्रैल और 23 सितंबर को तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण (अब सेवानिवृत्त) की अगुवाई वाली पीठ अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को हटाने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हुई थी। शीर्ष अदालत को इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की पीठ का फिर से गठन करना होगा, क्योंकि इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही 5 न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे पूर्व प्रधान न्यायाधीश रमण एवं न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

दो पूर्व न्यायाधीशों के अलावा न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत उस पीठ का हिस्सा थे, जिसने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 2 मार्च 2020 को 7 न्यायाधीशों की एक बड़ी पीठ को भेजने से मना कर दिया था। अनुच्छेद-370 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं 2019 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने न्यायमूर्ति रमण की अध्यक्षता वाली एक संविधान पीठ को भेजी थी। केंद्र के इस फैसले के बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया। केंद्र सरकार ने अनुच्छेद-370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था।

गाजियाबाद में खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया प्रदूषण

– हवा की रफ्तार थमते ही एक्यूआई 350 पहुंचा

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में खतरनाक श्रेणी में प्रदूषण पहुंच गया और हवा की रफ्तार थमते ही एक्यूआई 350 पहुंचा गया। जिले में प्रदूषण खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया है। शुक्रवार को गाजियाबाद का वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई 350 दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को जिले का एक्यूआइ 232 दर्ज किया गया था। जिले में शुक्रवार को वसुंधरा इलाका सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा। यहां का एक्यूआइ 397 दर्ज किया गया। लोनी का एक्यूआइ 383, संजय नगर का 315 और इंदिरापुरम का एक्यूआइ 306 दर्ज किया गया।

बीती 12 फरवरी से तेज हवा चलने के कारण जिले में लोगों को प्रदूषण से राहत मिली थी। दरअसल जिले में हो रहा प्रदूषण तेज हवा के साथ आगे बह जा रहा था। इससे प्रदूषण का स्तर नहीं बढ़ रहा था। अब हवा की रफ्तार थमते ही प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ने लगा है। बृहस्पतिवार को एक्यूआइ 232 था। शुक्रवार को एक्यूआइ 350 पहुंच गया। जिले के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में 90 प्रतिशत सड़कें टूटी हुई हैं। मुख्य मार्गों की भी सड़कों में जगह-जगह गड्ढे हैं। ऐसे में सड़कों पर जाम लगता है और जाम में फंसे वाहन धुआं उगलते हैं। नगर निकाय की ओर से सड़कों से धूल की सफाई कर पानी के छिड़काव में लापरवाही बरती जा रही है। जगह-जगह निर्माण कार्य चल रहे हैं। बिना ढके बड़े वाहनों से कूड़ा एक से दूसरी जगह ले जाया जा रहा है। प्रदूषण की रोकथाम में लापरवाही बरती जा रही है। इन सब कारणों से जिले में प्रदूषण हो रहा है। जिले में वसुंधरा इलाका सबसे ज्यादा प्रदूषित बना हुआ है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक यहां पर रैपिड ट्रेन का स्टेशन बन रहा है। इस कारण ज्यादा प्रदूषण हो रहा है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी उत्सव शर्मा ने बताया कि जिले में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर ग्रेप के नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। नगर निकायों को सड़कों की सफाई करने और पानी का छिड़काव करने की जिम्मेदारी दी गई है।

देश को हिंदू राष्ट्र बनाने पर सीएम नीतीश बोले, हमारे लिए महात्मा गांधी का आदर्श ही सर्वोपरि

पटना (एजेंसी)। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की जा रही है। इसको लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा भारत में सभी धर्म के लोग रहते हैं और हम गांधी जी के बताए रास्ते पर चलने वाले लोग हैं। अपने बयान में नीतीश कुमार ने कहा कि भारत में हर धर्म संप्रदाय के लोग रहते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना संभव है? उन्होंने कहा यह भारत देश है, जिसमें सभी धर्मों के लोग रहते हैं। भारत के बारे में कोई कुछ बोलेगा, इसका कोई मतलब नहीं बनता है। हमें केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बातें सुननी चाहिए।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा हिंदू राष्ट्र की मांग करने वाले लोग भारत को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यहां हर धर्म, संप्रदाय के लोग रहते हैं। अगर कोई ऐसा करना चाहता है (भारत को हिंदू-राष्ट्र बनाना) तो कोई देश को नष्ट करना चाहता है। हमें केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कही बातों का पालन करना चाहिए। हम गांधीजी के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। आपको बता दें कि हाल में ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में कहा था कि भारत की संस्कृति हिंदू है। यहां का हर नागरिक हिंदू है। भारत हिंदू राष्ट्र था, है और आगे भी रहेगा। इसी को लेकर नीतीश कुमार ने यह बयान दिया है।

बीबीसी पर आईटी सर्वे पर सीएम नीतीश ने कहा हम देख सकते हैं कि मोदी सरकार क्या चाहती है, अगर कार्रवाई की जाती है तो यह स्पष्ट दिखता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा अगर कोई मोदी सरकार के खिलाफ बोलेगा तो उसे परिणाम भुगतने होंगे। जो लोग हमारे खिलाफ बोलना और लिखना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं, आखिरकार, यह जनता तय करेगी। उन्होंने साफ कहा कि हमारा काम लोगों की सेवा करना है और उसके लिए हम रात-दिन काम करते रहते हैं।

मेयर चुनाव में आपको बड़ी राहत, नामित सदस्य नहीं डाल सकते वोट, 24 घंटे में अधिसूचना जारी करने का निर्देश

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट नेदिल्ली मेयर चुनाव कराने की मांग वाली आम आदमी पार्टी (आप) की याचिका पर सुनवाई की। मनोनीत सदस्यों को मतदान करने की अनुमति देने के सवाल पर आप और भाजपा सदस्यों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण सदन में हंगामे के बाद तीन पूर्व अवसरों पर इस पद के लिए चुनाव में देरी हुई है। वहीं अब पूरे मामले में आम आदमी पार्टी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर बड़ा फैसला देते हुए कहा कि मेयर चुनाव में राज्यपाल द्वारा मनोनीत 10 पार्षद (एल्डरमैन) वोट नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) [शेली ओबेरॉय और एआर बनाम लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यालय के महापौर के चुनाव के लिए चुनाव की तारीख 24 घंटे के भीतर घोषित करने का आदेश दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उपराज्यपाल द्वारा एमसीडी में नामित सदस्य महापौर का चुनाव करने के लिए मतदान में भाग नहीं ले सकते हैं और न ही मतदान कर सकते हैं।

अग्निवीर भर्ती 2023 के नियमों में हुआ बदलाव, अब आप इस तरह जुड़ सकते हैं भारतीय सेना से

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना में भर्ती की नयी योजना अग्निवीर में कुछ बदलाव किये गये हैं जिसके बारे में सेना की ओर से एक बयान भी जारी कर दिया गया है। हम आपको बता दें कि सेना ने अग्निवीरों और अन्य की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। साथ ही पंजीकरण के लिए अधिसूचना ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आवेदन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अब 16 फरवरी से 15 मार्च तक खुले हैं, जिसमें उम्मीदवार अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता, शारीरिक मानदंड और अन्य योग्यता आवश्यकताओं के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना ने 'जूनियर कमीशंड अधिकारी/अन्य रैंक/अग्निवीर' के लिए भर्ती प्रक्रिया में संशोधन की घोषणा की है। संशोधित भर्ती प्रक्रिया के अनुसार, भर्ती रैली से पहले कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन साझा प्रवेश परीक्षा (सीईई) आयोजित की जाएगी। सेना ने प्रक्रिया में बदलाव के संबंध में हाल ही में विभिन्न समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया था। सेना में भर्ती तीन चरणों में की जाएगी। पहले चरण में, वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवारों को सीईई से गुजरना होगा।

सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चरण दो में, चयनित उम्मीदवारों को संबंधित सेना भर्ती कार्यालयों (एआरओ) द्वारा तय किए गए स्थान पर भर्ती रैली के लिए बुलाया जाएगा, जहां वे शारीरिक फिटनेस परीक्षण और शारीरिक माप परीक्षण से गुजरेंगे। बयान के अनुसार अंत में चरण तीन में, चयनित उम्मीदवारों को मेडिकल टेस्ट से गुजरना होगा। इसके अनुसार कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन सीईई 17 से 30 अप्रैल के बीच पूरे भारत में 175 से 180 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा में 'कैसे पंजीकरण करें' और 'कैसे उपस्थित हों' पर शैक्षिक वीडियो ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट और यूट्यूब पर अपलोड किए गए हैं। हम आपको यह भी बता दें कि ऑनलाइन सीईई के लिए शुल्क 500 रुपये प्रति उम्मीदवार है जिसमें इसका 50 प्रतिशत भारतीय सेना द्वारा वहन किया जाएगा। आवेदन के ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान उम्मीदवारों को 250 रुपये का भुगतान करना होगा। वे ऑनलाइन सीईई में शामिल होने के लिए पांच विकल्प भी दे सकते हैं। बयान में कहा गया है कि बदली गई प्रक्रिया भर्ती के दौरान उन्नत संज्ञानात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेगी और इसके परिणामस्वरूप देश भर में व्यापक और बेहतर पहुंच होगी। इससे भर्ती रैलियों में भीड़ भी कम होगी और मेडिकल परीक्षण के लिए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या भी कम होगी। जहां तक अग्निपथ योजना की बात है तो सेना ने अपने यूट्यूब चैनल पर इससे संबंधित जानकारी एक वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित की है। तो देर किस बात की। सेना से जुड़ने का मौका आ चुका है यह मौका है ज़िंदगी ज़िंदादिली से जीने का और देश के लिए कुछ कर दिखाने का।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूजा में जरुरी नियमों का पालने करें

अगर आप रोज पूजा करते हैं और आपका मन अशांत रहता है तो इसका मतलब है कि आपकी पूजा-पाठ में कहीं कुछ गलत हो रहा है। यहां जानते हैं कि पूजा के दौरान किन बातों का ध्यान रखें और कुछ जरूरी नियमों का पालन कैसे करें।

जानें क्या है पूजा के सही नियम

शिवजी, गणेशजी और भैरवजी को तुलसी नहीं चढ़ानी चाहिए।

तुलसी का पत्ता बिना स्नान किए नहीं तोड़ना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति बिना नहाए ही तुलसी के पत्तों को तोड़ता है तो पूजन में ऐसे पत्ते भगवान द्वारा स्वीकार नहीं किए जाते हैं।

सूर्य देव को शंख के जल से अर्घ्य नहीं देना चाहिए।

दूर्वा घास रविवार को नहीं तोड़नी चाहिए।

बुधवार और रविवार को पीपल के वृक्ष में जल अर्पित नहीं करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में या किसी अपवित्र धातु के बर्तन में गंगाजल नहीं रखना चाहिए। अपवित्र धातु जैसे एल्युमिनियम और लोहे से बने बर्तन। गंगाजल तांबे के बर्तन में रखना शुभ रहता है।

केतकी का फूल शिवलिंग पर अर्पित नहीं करना चाहिए।

किसी भी पूजा में मनोकामना की सफलता के लिए दक्षिणा अवश्य चढ़ानी चाहिए।

मां लक्ष्मी को विशेष रूप से कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस फूल को पांच दिनों तक जल छिड़क कर पुनः चढ़ा सकते हैं।

घर के मंदिर में सुबह और शाम को दीपक अवश्य जलाएं। एक दीपक घी का और एक दीपक तेल का जलाना चाहिए।

सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु, ये पंचदेव कहलाते हैं। इनकी पूजा सभी कार्यों में अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। प्रतिदिन पूजन करते समय इन पंचदेव का ध्यान करना चाहिए। इससे लक्ष्मी कृपा और समृद्धि प्राप्त होती है।

फाल्गुन में करें भगवान कृष्ण की विशेष पूजा

हिन्दू पंचांग का अंतिम महीना फाल्गुन मास का होता है। ये वही समय होता है जब बसंत ऋतु का भी आगमन होता है। इस महीने की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र के रूप में देखा जाता है। इसलिए इस महीने का नाम फाल्गुन मास रखा गया है। फाल्गुन मास में भगवान कृष्ण की विशेष पूजा की जाती है। इस महीने उनकों पीले फूल अर्पण करने से निसंतानों को संतान की प्राप्ति होती है। आप इसी महीने में कृष्ण के तीनों स्वरूपों, बाल कृष्ण, युवा कृष्ण और गुरु कृष्ण की पूजा की जा सकती है। ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति के लिए गुरु कृष्ण की पूजा अत्यंत लाभकारी है।

करे यें महाउपाय

फाल्गुन मास में सूर्य उदय होने से पहले उठे और अपने स्नान के जल में एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर स्नान करें। आप भोजपत्र को अपने पूजन स्थल में रखकर एक दीया जलायें और गायत्री मंत्र का 3 माला जाप करें। ये महाउपाय आपके जीवन में सदैव खुशियां बरकरार रखेंगे।

अपने कुलगुरु देवी देवता की उपासना जरूर करें।

भगवान श्रीकृष्ण को पूरे महीने नियमित रूप से शुद्ध अबीर गुलाल के साथ साथ पीले फल अर्पण करें। इससे गुस्से या चिड़चिड़ाहट की समस्या से राहत मिलेगी।

अपने स्नान के जल में सुगन्धित केवड़ा मिलाकर स्नान करें और चन्दन की सुगंध का प्रयोग करें। इससे मानसिक अवसाद की शिकायत दूर होगी।

भगवान शिव को पूरे महीने पंचामृत के साथ साथ सफ़ेद चंदन भी अर्पित करें और ऊँ नमः शिवाय का मन ही मन जाप करें। ऐसा करने से आप स्वस्थ रहेंगे।

माँ लक्ष्मी को शुद्ध गुलाब का इत्र या लाल गुलाब के 5 या 11 फूल जरूर अर्पण करें। इससे घर में लक्ष्मी की कभी कमी नहीं होगी।

फाल्गुन महीने को आनंद और उल्लास का महीना भी माना जाता है। फाल्गुन मास के आगमन के साथ गर्मी की शुरुआत होती है और सर्दी कम होने लगती है। बसंत का प्रभाव होने के चलते, इस महीने में रिश्तों में मधुरता आती है और पूरा वातावरण मनमोहक रहता है। हिंदू मान्यता के दो सबसे बड़े त्योहार, महाशिवरात्रि और होली इसी महीने मनाए जाते हैं। ऐसे में बदलती ऋतु के साथ अपना खानपान भी बदलना होगा । घी, खिचड़ी का सेवन कर सकते हैं। इस महीने में सुबह जल्दी स्नान करना भी शुभ माना गया है।

चंद्रमा को करें जल अर्पण

ऐसा कहा जाता है कि फाल्गुन महीने में चंद्रमा का जन्म हुआ था। इस समय चंद्रमा की जल अर्पण करके पूजा करने से विशेष कृपा बरसती है। चंद्र को जल अर्पण करने से आपका चंचल मन भी शांत हो जाता है।

ये सावधानी रखें

फाल्गुन महीने की शुरुआत से ही शीतल या सामान्य जल से स्नान करें। रात्रि के समय भोजन में अनाज का प्रयोग कम से कम करें। फल सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। कपडे ज्यादा रंगीन और सुन्दर धारण करें ,सुगंध का प्रयोग भी कर सकते हैं। नियमित रूप से भगवान कृष्ण की पीले फूलों से उपासना करें और शुद्ध घी का दीया जलाएं।

अपने बड़ों का आर्शीवाद लेना ना भूलें। इससे रुके हुए कार्य पूरे होंगे और ज्यादा दुविधा का भी सामना नहीं करना पड़ेगा।

अमंगल हारी हैं देवाधिदेव भगवान शिव

महा शिवरात्रि

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

महाशिवरात्रि : शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

नंदी बैल : भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंडिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित : शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

भगवान शिव के 12 अनमोल वचन

भगवान शिव दुनिया के सभी धर्मों का मूल हैं। शिव के दर्शन और जीवन की कहानी दुनिया के हर धर्म और उनके ग्रंथों में अलग-अलग रूपों में विद्यमान है। भगवान शिव के अनमोल वचनों को 'आगम ग्रंथों' में संग्रहित किया गया है। आगम का अर्थ ज्ञान अर्जन। पारंपरिक रूप से शैव सिद्धांत में 28 आगम और 150 उप-आगम हैं। शिव पुराण, शिव संहिता, शिव सूत्र, महेश्वर सूत्र और विज्ञान भैरव तंत्र सहित अनेक ग्रंथों में अनमोल वचनों को संग्रह करके रखा गया है। उनमें से ही कुछ अनमोल मोती...

- कल्पना ज्ञान से महत्वपूर्ण: आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि 'कल्पना' ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम जैसी कल्पना और विचार करते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। सपना भी कल्पना है। अधिकतर लोग खुद के बारे में या दूसरों के बारे में बुरी कल्पनाएं या खयाल करते रहते हैं। दुनिया में आज जो दहशत और अपराध का माहौल है उसमें सामूहिक रूप से की गई कल्पना का ज्यादा योगदान है।
- बदलाव के लिए जरूरी है ध्यान : आदमी को बदलाहट की प्रामाणिक विधि के बिना नहीं बदल सकते। मात्र उपदेश से कुछ नहीं बदलता। भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा में माता पार्वती को मोक्ष की शिक्षा दी थी। पार्वती और शिव के बीच जो संवाद होता है उसे 'विज्ञान भैरव तंत्र' में संग्रह किया गया है। इसमें ध्यान की 112 विधियां संग्रहीत है।
- शून्य में प्रवेश करो : विज्ञान भैरव तंत्र में शिव पार्वतीजी से कहते हैं, 'आधारहीन, शाश्वत, निश?चल आकाश में प्रविष?ट होओ।' वह तुम?हारे भीतर ही है। भगवान शिव कहते हैं- 'वामो मार्गः परमगहनो योगितामप्यगम्यः' अर्थात वाम मार्ग अत्यंत गहन है और योगियों के लिए भी अगम्य है। -मेरुतंत्र...भगवान शिव के योग को तंत्र या वामयोग कहते हैं। इसी की एक शाखा हठयोग की है।
- आदमी पशुवत है : मनुष्य में जब तक राग, द्वेष, ईर्ष्या, वैमनस्य, अपमान तथा हिंसा जैसी अनेक पाशविक वृत्तियां रहती हैं, तब तक वह पशुओं का ही हिस्सा है। पशुता से मुक्ति के लिए भक्ति और ध्यान जरूरी है।

भगवान शिव के कहने का मतलब यह है कि आदमी एक अजायबघर है। आदमी कुछ इस तरह का पशु है जिसमें सभी तरह के पशु और पक्षियों की प्रवृत्तियां विद्यमान हैं। आदमी ठीक तरह से आदमी जैसा नहीं है। आदमी में मन के ज्यादा सक्रिय होने के कारण ही उसे मनुष्य कहा जाता है, क्योंकि वह अपने मन के अधीन ही रहता है।

- मरना सीखो: यदि जीवन में कुछ सीखना है तो मरना सीखो। जो मरना सीख जाता है वही सुंदर ढंग से जीना जानता है।
- गायत्री मंत्र: ''गायत्री-मंजरी' में 'शिव-पार्वती संवाद' आता है जिसमें भगवती पूछती हैं- 'हे देव! आप किस योग की उपासना करते हैं जिससे आपको परम सिद्धि प्राप्त हुई है?' उन्होंने उत्तर दिया- 'गायत्री ही वेदमाता है और पृथ्वी सबसे पहली और सबसे बड़ी शक्ति है। वह संसार की माता है। गायत्री भूलोक की कामधेनु है। इससे सब कुछ प्राप्त होता है। ज्ञानियों ने योग की सभी क्रियाओं के लिए गायत्री को ही आधार माना है।'
- जीवन को सुखमयी बनाने के लिए : भोजन और पान (पेय) से उत्पन्न उल्लास, रस और आनंद से पूर्णता की अवस्था की भावना भरें, उससे महान आनंद होगा। या अचानक किसी महान आनंद की प्राप्ति होने पर या लंबे समय बाद बंधु-बांधव के मिलन से उत्पन्न होने वाले आनंद का ध्यान कर तल्लीन और तन्मय हो जाएं।
- प्रकृति का सम्मान करो : प्रकृति हमें जीवन देने वाली है, इसका सम्मान करो। जो इसका अपमान करता है समझो मेरा अपमान करता है।

दुनिया का हर काम प्रकृति के नियमों और तरीकों से ही होता है, लेकिन अहंकार से ग्रसित लोग ऐसा मानते हैं कि सबकुछ वही कर रहे हैं।

- योग की शक्ति को समझो

विस्मयो योगभूमिकाः। स्वपदंशक्ति। वितर्क आत्मज्ञानमू। लोकानन्दः समाधिसुखम्। -शिवसूत्र

अर्थात: विस्मय योग की भूमिका है। स्वयं में स्थिति ही शक्ति है। वितर्क अर्थात विवेक आत्मज्ञान का साधन है। अस्तित्व का आनंद भोगना समाधि है।

- अपनी तरफ देखो- न तो पीछे, न आगे। कोई तुम्हारा नहीं है। कोई बेटा तुम्हें नहीं भर सकेगा। कोई संबंध तुम्हारी आत्मा नहीं बन सकता। तुम्हारे अतिरिक्त तुम्हारा कोई मित्र नहीं है। -शिवसूत्र
- माया को समझो:

आत्मा चित्तम्। कलादीनां तत्वानामविवेको माया। मोहावरणात् सिद्धिः। जाग्रद् द्वितीय करः। -शिवसूत्र

अर्थात आत्मा चित्त है। कला आदि तत?वों का अविवेक ही माया है। मोह आवरण से युक्त को सिद्धियां तो फलित हो जाती हैं, लेकिन आत्मज्ञान नहीं होता है। स्थायी रूप से मोह जय होने पर सहज विद्या फलित होती है। ऐसे जाग्रत योगी को, सारा जगत मेरी ही किरणों का प्रस्फुरण है, ऐसा बोध होता है।

- अपनी जागरूकता का विस्तार करो। अन्य प्राणियों के शरीर में अपनी जागरूकता का विस्तार करके महसूस करो कि वे क्या सोचते हैं। अपने शरीर की जरूरतों को एक तरफ छोड़ दो।- शिवसूत्र